GENIUS BEE
A GREAT LEARNER

अध्यापक सहायक पुस्तिका
(1-5)

नायरा

हिन्दी पाठ्यपुस्तक

Book-1	 2
Book-2	17
Book-3	30
Book-4	45
Book-5	63

1 'अ' की मात्रा

मिलाकर शब्द लिखो :

ब + स	– बस	ख + त	– खत
अ + म + न	– अमन	म + ट + र	– मटर
क + ट + ह + ल	– कटहल	उप + वन	– उपवन

1.

रथ

बस

मटर

बतख

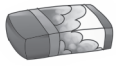
रबड़

कटहल

शलजम

थरमस

2.

कमल
खरल
फल

बरतन
खत
शरबत

3.

य + श	= यश	उ + प + व + न	= उपवन
न + थ	= नथ	ब + च + प + न	= बचपन
म + ह + ल	= महल	झ + ट + प + ट	= झटपट
ब + त + ख	= बतख	द + म + क + ल	= दमकल

4.

गगन उठ।

फल चख।

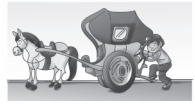
रथ पर चढ़।

सड़क पर मत टहल।

5. **क.** बस; **ख.** बतख, **ग.** थरमस

6. स्वयं करें।

2 'आ' की मात्रा

नए शब्द बनाकर लिखो :

आ
- सान – आसान
- ज – आज
- काश – आकाश

पा
- गल – पागल
- लक – पालक
- जामा – पाजामा

1.

कलश

टमाटर

तबला

ताला

2.

नाव
छाता
ताला
तबला

3. **क.** मामा; **ख.** बाजा; **ग.** समझदार

3 'इ' की मात्रा

नए शब्द बनाकर लिखो :

कि
- ला – किला
- ताब – किताब
- शमिश – किशमिश

वि
- जय – विजय
- मान – विमान
- हार – विहार

1.

चिड़िया

हिरन

साइकिल

डलिया

2. **क.** दिन; **ख.** साइकिल; **ग.** रविवार

3. **क.** चिड़िया; **ख.** टिकट; **ग.** तकिया

4. **क.** छिलका; **ख.** सितार; **ग.** दिवाकर; **घ.** कलाकार; **ङ.** विमान

5.

तकिया
मिठाई
पहिया
डाकिया
सियार
टिकट

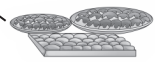

6.

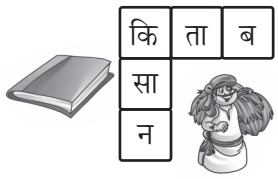

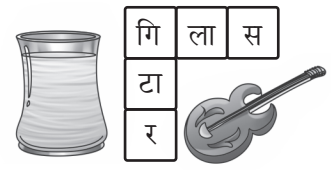

कि	ता	ब
सा		
न		

गि	ला	स
टा		
र		

7. स्वयं कीजिए।

4 ‘ई’ की मात्रा

ई (ी) के नाम वाले चित्रों पर ✓ लगाओ :

✓

✓

2.

दीप

तितली

माली

गिलहरी

3. **क.** छतरी; **ख.** दीवाली पर; **ग.** बलबीर; **घ.** खीरा, लीची
4. **क.** चिड़िया; **ख.** तितली; **ग.** खीरा
5. त ी र ➤ तीर घड़ ी ➤ घड़ी बकर ी ➤ बकरी
   शर ी र ➤ शरीर पन ी र ➤ पनीर नाशपात ी ➤ नाशपाती
6. ति ➤ तितली कि ➤ किसान ली ➤ लीची
   मी ➤ मीना ची ➤ चील खी ➤ खीरा
7.

	क
	हा
ना	नी

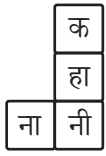

मा	
मी	ठी

दी	
वा	
ली	ची

8. स्वयं कीजिए।

5 ‘उ’ की मात्रा

खाली स्थान पर उचित शब्द लिखो :

क. फुदकी; ख. पुड़िया; **ग.** गुड़

1.

पुल

कछुआ

बुलबुल

चुहिया

2. खश ➤ खुश गलाब ➤ गुलाब
कसम ➤ कुसुम बगला ➤ बगुला
गड़हल ➤ गुड़हल बलबल ➤ बुलबुल

3. **क.** कुसुम; **ख.** बुआ; **ग.** गुलाबजामुन; **घ.** सुबह

4. **क.** फुदकी; **ख.** बगुला; **ग.** दीवाना; **घ.** झगड़ा नहीं

5.

पुजारी	कुली ✓	गिलहरी
चुहिया ✓	गुड़िया	बुढ़िया
पुड़िया	कुटिया	बुढ़िया ✓
बगुला ✓	बुलबुल	दुकान

6. पु — ल – पुल; ड़िया – पुड़िया; कार – पुकार
गु — ड़ – गुड़; ड़हल – गुड़हल; लाब – गुलाब

7.

कु	र	ता
ल		

चु	हि	या
प		
चा		
प		

बु	ल	बु	ल
		ढ़ि	
		या	

6 'ऊ' की मात्रा

एक शब्द में उत्तर लिखो :

क. मदारी; **ख.** भालू; **ग.** राजू

1. भाल ➤ भालू झला ➤ झूला
झम ➤ झूम पनम ➤ पूनम
राज ➤ राजू सरज ➤ सूरज
पजा ➤ पूजा कचाल ➤ कचालू

2.   मूली   तराजू   डमरु
 फूल   कबूतर   तरबूज

3.

	ा	ि	ी	ु	ू
क	काला	किसान	कीड़ा	कुल	कूड़ा
ज	जहाज़	जिला	जीत	जुड़	जूता
थ	थाल	थिरकना	थीम	थुलथुला	थूकना
प	पान	पिन	पीला	पुल	पूरी
भ	भालू	भिड़ना	भीड़	भुन	भूल

4. **क.** झूला; **ख.** रुबी; **ग.** चूरन; **घ.** चूहा

5.

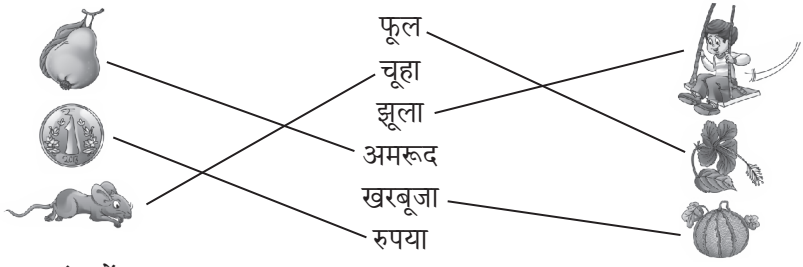

6. स्वयं करें।

7.

त	रा	जू
		ठ
		न

ऊ	प	र
न		

7 'ऋ' की मात्रा

1.

मृग

गृह

वृक्ष

वृषभ

2.

घृत	नृप	मातृ	वृषभ	कृपाल
हृदय	अमृत	पितृ	सृजन	मृगछाला

3. **क.** कृषक; **ख.** नृप; **ग.** वृक्ष

4. स्वयं कीजिए।

8 'ए' की मात्रा

सही ✓ अथवा गलत ✗ चिह्न लगाओ :

क. ✗; ख. ✓; ग. ✓; घ. ✗; ङ. ✗

1.

शेर

जलेबी

लालटेन

केला

2. **क.** महेश; **ख.** मेला; **ग.** सहेली; **घ.** हाथी; **ङ.** जलेबी

3. **क.** केले; **ख.** मेला; **ग.** भालू; **घ.** शेर

4.

बर	➤	बेर	जलबी	➤	जलेबी
ठला	➤	ठेला	सपन	➤	सपने
सवरा	➤	सवेरा	कपड़	➤	कपड़े
जवर	➤	जेवर	मलरिया	➤	मलेरिया

5.

केला	–	केले	ठठेरा	–	ठठेरे
ठेला	–	ठेले	कपड़ा	–	कपड़े
लड़का	–	लड़के	झूला	–	झूले

6.

के	ला	केला	पे	ड़	पेड़
करे		करेला	शे		शेड़
ठे		ठेला	भे		भेड़
मे		मेला	उधे		उधेड़

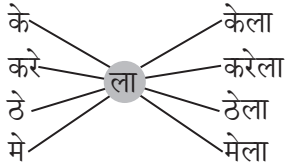

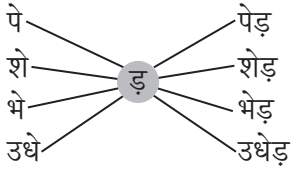

9 'ऐ' की मात्रा

चित्र देखो, शब्द पूरे करो :

पैर

मैना

तैराक

कैमरा

1.

बल	➤	बैल	मना	➤	मैना
सर	➤	सैर	तराक	➤	तैराक
कमरा	➤	कैमरा	नया	➤	नैया
पदल	➤	पैदल	खपरल	➤	खपरैल

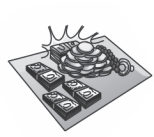

2.

पैसे

कैरम

बैलगाड़ी

पैराशूट

3. **क.** कैलाश ने; **ख.** नैनीताल; **ग.** कैमरे से; **घ.** वैशाली; **ङ.** शैतानी

4.
थैला – मैला	सैर – बैर
जैसा – तैसा	मैल – जैल

5.
क. ला कै श	➤	कैलाश	**घ.** ली वै शा	➤	वैशाली
ख. नि क दै	➤	दैनिक	**ङ.** न ता शै	➤	शैतान
ग. स न वै ली	➤	वैसलीन	**च.** शू पै ट रा	➤	पैराशूट

6. **क.** मैना; **ख.** नैया; **ग.** कैमरा

10 'ओ' की मात्रा

जोड़कर शब्द बनाओ :

को — यल – कोयल; ट – कोट; मल – कोमल

मो — टा – मोटा; र – मोर; ती – मोती

1.

गोभी

तोता

बोतल

अखरोट

2.

टोपी
क**टो**री
स**मो**सा
खर**गो**श

3. **क.** मोर; **ख.** ढ़ोल; **ग.** तोता; **घ.** डोसा

4.
क. होली ✓	हैरी	तेल
ख. नैया	नेहा	नोट ✓
ग. ढेला	ढोल ✓	ढपली
घ. सरोवर ✓	भैया	सहेली

5. **क.** मोर की; **ख.** खरगोश; **ग.** मोरनी

6.

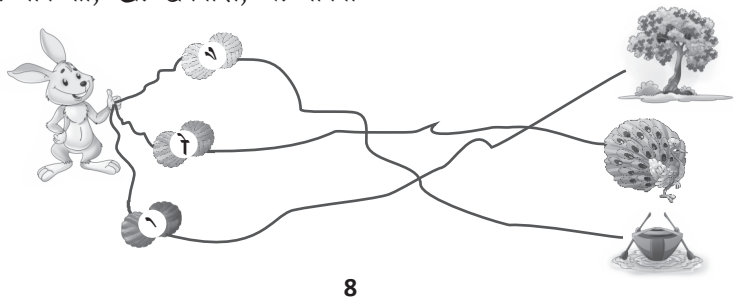

11 ‘औ’ की मात्रा

जोड़कर शब्द बनाओ :

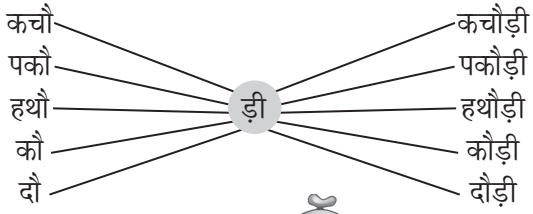

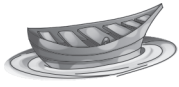

कचौ	ड़ी	कचौड़ी
पकौ		पकौड़ी
हथौ		हथौड़ी
कौ		कौड़ी
दौ		दौड़ी

1.   नौका   खिलौना   कौआ   औजार

 फौजी   चौकीदार   लौकी   कचौड़ी

2. **क.** पौधा; **ख.** मौसा; **ग.** नौका; **घ.** शौक
3. **क.** या लि तौ ➤ तौलिया **ख.** व र कौ ➤ कौरव
   ग. ड़ी कौ प ➤ पकौड़ी **घ.** क री टो ➤ कटोरी
   ङ. ड़ी म लो ➤ लोमड़ी **च.** न र जौ पु ➤ जौनपुर
4. **क.** चौकी पर; **ख.** पौधे; **ग.** ढेर-सारे खिलौने
5. **ओ** होली, मोर **औ** कचौड़ी, पकौड़ी
6.

मौ	स	म
सी		

	म	
प	को	ड़ा
	ड़ा	

7. स्वयं कीजिए।

12 दसखड़ी

1.

ब	बा	बि	बी	बु
बस	**बादल**	**बिजली**	**बीन**	**बुलबुल**
बू	बे	बै	बो	बौ
बूढ़ा	**बेल**	**बैल**	**बोरी**	**बौना**

2.

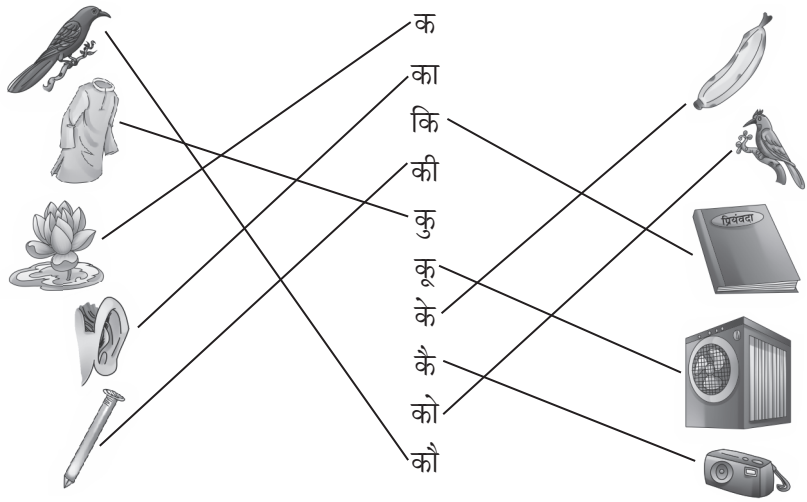

13 ‘अं’ की मात्रा

चित्रों को सही नाम से मिलाओ :

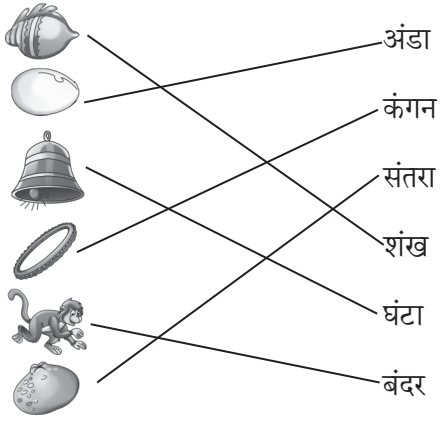

1.
पंख

कंघा

झंडा

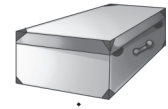

संदूक

2. गेद ➤ गेंद   घटा ➤ घंटा   दगल ➤ दंगल
ठडा ➤ ठंडा   मजन ➤ मंजन   डठल ➤ डंठल
इजन ➤ इंजन   पख ➤ पंख   बदर ➤ बंदर

3. **क.** मंदिर; **ख.** घंटा; **ग.** पंडित जी

4. स्वयं कीजिए।

14 'अँ' की मात्रा

1. कहानी – कहानियाँ
   पहेली – पहेलियाँ
   बकरी – बकरियाँ
   जलेबी – जलेबियाँ
   मछली – मछलियाँ
   सवारी – सवारियाँ

2.

बाँसुरी

चाँद

अँगूठी

ऊँट

3. शो → शोर
   ज़ो → ज़ोर
   मो → मोर
   चो → चोर
   (र)

4.

ग	म	ला
ग		
न		

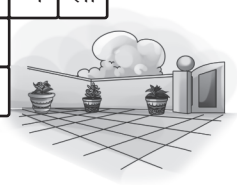

15 'अः' की मात्रा

1. अत ➤ अतः
   फलत ➤ फलतः
   निसंदेह ➤ निसंदेहः
   प्रात ➤ प्रातः
   अंतत ➤ अंततः
   अक्षरश ➤ अक्षरशः

2. **क.** प्रातः; **ख.** शीश

3. **क.** छः; **ख.** पुनः पुनः; **ग.** सफलता

4. प्रातःकाल का

16 'र' के रूप

1.

क्रिसमस ट्री

गृह

ट्रक

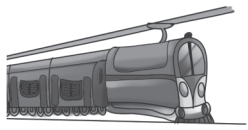
ट्रेन

2. **क.** रुद्र; **ख.** प्रगति; **ग.** धर्म

3. सू — र्य — सूर्य
धै — र्य — धैर्य
का — र्य — कार्य

प्र — थम ➤ प्रथम
प्र — णाम ➤ प्रणाम
प्र — तीक ➤ प्रतीक

4. **क.** गुरुग्राम में; **ख.** देहली; **ग.** मेट्रो; **घ.** सभी

17 संयुक्त व्यंजन

1.

पत्र

यज्ञ

छात्र

आश्रम

2. **क.** क्षत्रिय; **ख.** आश्रम; **ग.** ज्ञानी; **घ.** रक्षा

3. **क.** रक्षित; **ख.** मुनि के यज्ञ की; **ग.** आश्रय; **घ.** श्रेष्ठ कथा

18 द्वित्व व्यंजन व संयुक्ताक्षर

1.

गुब्बारा

कुत्ता

चम्मच

बस्ता

2.

च्छ	– शब्द	गुच्छा ✓	मच्छर ✓
प्य	– प्याज ✓	प्लेट	प्याला ✓
ट्ठ	– गट्ठर ✓	लट्ठा ✓	गड्ढा
क्य	– क्यारी ✓	स्वेटर	वाक्य ✓

3. **क.** अच्छी; **ख.** विद्यालय; **ग.** नन्हें पत्तों पर

4. **क.** प्याज; **ख.** गुच्छा; **ग.** भुट्टा

19 मीठी बोली

लिखित कार्य

1. **क.** (ii); **ख.** (i)
2. **क.** हमें सदैव अच्छी बातें बोलनी चाहिए।
   ख. किसी को हमारी बातों से दुख ना पहुँचे।
3. **क.** जब बोलो, तब हँसकर बोलो,
   बातों में मिसरी-सी घोलो।
   ख. सोच-समझकर, रुककर बोलो।
   हँसकर मन की गाँठें खोलो,

भाषा की बात

1. हँसना × रोना सच × झूठ रुकना × चलना
2. बोलो – घोलो सच – रच खोलो – तोलो

विचार-कौशल

❖ **सही आदत पर ☺ का चित्र तथा गलत आदत पर ☹ का चित्र बनाओ :**

☺ ☹ ☹ ☺

रचनात्मक कार्य

❖ **शब्द-सीढ़ी पूरी करो :**

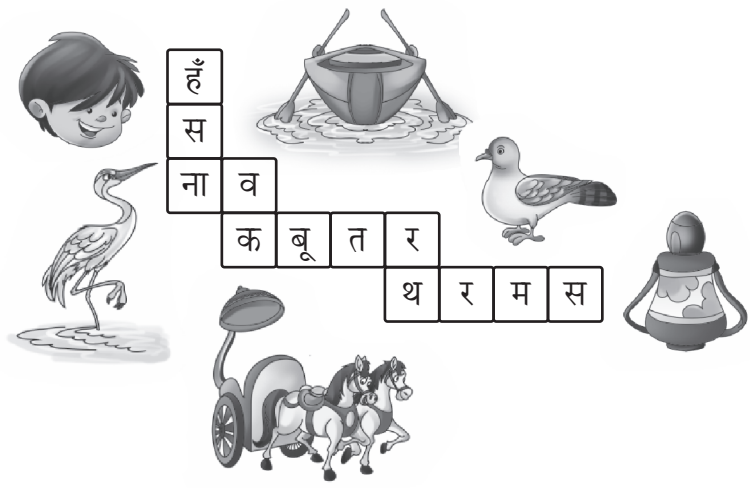

20 सिद्धार्थ को ज्ञान

लिखित कार्य

1. **क.** तपस्या करने; **ख.** गिलहरी; **ग.** महात्मा बुद्ध; **घ.** हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए
2. [1] निराश होकर वे महल को लौट चले।
   [4] कुछ दिनों बाद उन्हें सच्चा ज्ञान प्राप्त हो गया।
   [2] गिलहरी बार-बार पूँछ पानी में डुबाती और बाहर आकर पूँछ झटक देती।
   [3] वे पुनः वन की ओर चल दिए।
3. **क.** तपस्या; **ख.** नदी; **ग.** गिलहरी; **घ.** वन

भाषा की बात

1. त् + त ➤ त्त ➤ पत्ता गत्ता सत्ता
   ज् + ञ ➤ ज्ञ ➤ यज्ञ प्रज्ञा ज्ञानी
   र् + ष ➤ ऋ ➤ ऋषि वृषभ कृषक
   द् + द ➤ द्द ➤ गद्दा भद्दा चद्दर
2. खज – खोज नराश – निराश माग – मार्ग
   पूछ – पूंछ गलहर – गिलहरी लट – लेट
   छोट – छोटी बठ – बैठ पुन – पुनः
3. गिलैरी गलहरी गिलहरी ✓
   तपश्या तपस्या ✓ तपिष्या
   सिधार्थ सिद्यार्थ सिद्धार्थ ✓
   महात्मा ✓ महातमा महात्मया

विचार-कौशल

❖ **अपने माता-पिता की मदद से लिखो :**

क. सिद्धार्थ; **ख.** शुद्धोधन; **ग.** माया देवी; **घ.** बोध गया

21 चार मित्र

लिखित कार्य

1. **क.** (iv); **ख.** (iii); **ग.** (i)
2. **क.** रात में चारों मित्र जंगल में ठहरे।

ख. जंगली जानवरों से बचने के लिए चारों मित्रों ने गुफा का मुँह बंद कर दिया।

ग. अपने शरीर पर पिस्सू दिखाकर लोमड़ी के बाघ को डराया।

3. [2] वे सब डर गए।
[3] रात होने पर बाघ अपनी गुफा पर पहुँचा।
[1] वे सब एक गुफा में चले गए।
[6] गधा ज़ोर-ज़ोर-से रेंकने लगा।
[4] लोमड़ी गुर्राई, मैं हूँ—'घाघ'।
[5] बाघ गुर्राया।
[7] बाघ अब और भी डर गया।
[8] बाघ फौरन वहाँ से भाग निकला।

भाषा की बात

1.

लड़का

लीची

शेर

इंडिया गेट

2. मित्र × शत्रु शाम × सुबह अंदर × बाहर
रात × दिन बड़ा × छोटा अँधेरा × उजाला

3. **क.** बाघ (एक जानवर) – रात होने पर बाघ अपनी गुफा पर पहुँचा।
बाग (बगीचा) – बच्चे बाग में टहल रहे हैं।

ख. दिन (वार) – आज का दिन बहुत सुहावना है।
दीन (गरीब) – हमें दीन-दुखियों की सहायता करनी चाहिए।

विचार-कौशल

❖ **सोचकर लिखो :**

शेर	–	दहाड़ना	बकरी	–	मिमियाना
गाय	–	रंभाना	कुत्ता	–	भौंकना
बिल्ली	–	म्याऊँ	गधा	–	रेंकना
साँप	–	हिस-हिसाना	मेंढक	–	टर्र-टर्राना

रचनात्मक कार्य

❖ **दिए गए जानवरों को पहचानो। पालतू जानवर के नीचे 'प' और जंगली जानवर के नीचे 'जं' लिखो :**

1 मीठी बोली

लिखित कार्य

1. **क.** (iv); **ख.** (ii)
2. **क.** कौआ काँव-काँव की आवाज करता है।
   ख. कोयल की आवाज सबको मधुर लगती है।
   ग. बुलबुल मीठे स्वर में गाती है।
3. काँव-काँव करता कौआ,
   दूर-दूर की खबर है लाता।
   आ रहा है कोई अतिथि,
   हमको वह बतलाता।

   बच्चों सबसे मीठा बोलो,
   सबके प्यारे बन जाओगे।
   बन जाएँगी बिगड़ी बातें,
   काम सभी के तुम आओगे।
4. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✗; **घ.** ✓

भाषा की बात

1. **अब बिंदु और चंद्रबिंदु से बने दो-दो शब्द लिखो :**
   बिंदु ं – सुंदर पंख
   चंद्रबिंदु ँ – काँव-काँव चाँद
2.

शब्द	**समान अर्थ**	**शब्द**	**समान अर्थ**
प्यारी	मेहमान	खबर	पर
न्यारी	अच्छी	पंख	मधुर
अतिथि	अनोखी	मीठा	समाचार

3. **दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखो :**
   प्यारी – न्यारी लाता – जाता
   गाती – जाती जाओगे – आओगे

विचार-कौशल

1. कुकड़ू-कूँ – मुर्गा गुटर-गूँ – कबूतर
   कुहू-कुहू – कोयल काँव-काँव – कौआ

2.

कौआ

कोयल

तोता

बुलबुल

कबूतर

मोर

रचनात्मक कार्य

❖ **वर्ग-पहेली में कुछ पक्षियों के नाम छिपे हैं। ढूँढ़कर लिखो :**
कौआ, कोयल, गौरैया, तोता, मोर, कबूतर, चील

साहसी पूजा

लिखित कार्य

1. **क.** पूजा अपने दोनों भाइयों को कमरे में ले गयी और अंदर से कुंडी लगा दी।
   ख. पूजा खिड़की के पास खड़ी होकर चिल्लाने लगी आग! आग! तब लोग भागे हुए आए।
   ग. अपने भाइयों को आग से बचाने के अद्‌भुत साहस के लिए पूजा को पुरस्कार दिया गया।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)
2. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓

भाषा की बात

1. नमस्कार – प्रणाम
   चंद्रमा – चाँद
   सूर्य – रवि
   द्‌वार – दरवाजा
2. प्रकाश – प्रेम
   कर्म – सूर्य
   प्रिय – क्रोध
   कार्य – गर्व
3. बाहर – भीतर
   इधर – उधर
   थोड़ा – बहुत
   प्रातः – सायं
   उदय – अस्त
   भयभीत – निडर
   अच्छा – बुरा
   ज़मीन – आसमान

3 आसमान गिरा

लिखित कार्य

1. **क.** चूज़े को भागते हुए पहले चूहे ने देखा।
   ख. शेर ने चूज़े से कहा– कि मुझे वहाँ लेकर चलो जहाँ चूज़े के ऊपर आसमान का टुकड़ा गिरा था।
   ग. अंत में सारे पशु मुँह लटकाए खड़े थे क्योंकि सभी ने बिना देखे मान लिया कि आसमान गिर रहा है।
2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (i)
3. **क.** चूहे ने, चूज़े से।
   ख. शेर ने, चूजा, चूहा, खरगोश, लोमड़ी और हाथी से।
   ग. लोमड़ी ने, चूज़ें, चूहा और खरगोश से।

भाषा की बात

1.

छोटा	बड़ा
आगे	पीछे
ऊपर	नीचे
अंदर	बाहर
दूर	पास
हँसना	रोना

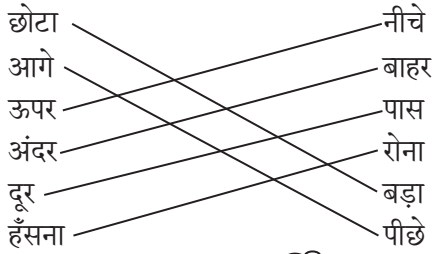

2.

शेर	–	बेर	**सेब**	देर
भाग	–	जाग	दाग	**दावत**
शोर	–	ज़ोर	मोर	**नाचो**

3. **क.** पेड़ के नीचे लेटा था।
   चूज़ा ✓ खरगोश चूहा
   चूजा पेड़ के नीचे लेटा था।
   ख. यह सुनकर घबरा गया।
   लोमड़ी चूहा ✓ शेर
   चूहा यह सुनकर घबरा गया।
   ग. उनके पीछे भागने लगा।
   खरगोश ✓ चूहा हाथी
   खरगोश पीछे भागने लगा।

4 समय-पालन

लिखित कार्य

1. **क.** मुरगा बाँग देकर हमें संदेश देता है कि सवेरा हो गया है। सोचो मत! आलस्य और नींद की गोद से उतर कर खड़े हो जाओ।
   ख. समय-पालन की शिक्षा हमें समय पर फूल खिलना, समय पर वृक्ष पर फल लगना तथा घड़ी की सुइयों से लेनी चाहिए।
   ग. समय पर कार्य करने से व्यक्ति को सुख और आनंद प्राप्त होता है।
2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii)
3. **क.** सवेरे; **ख.** मौसम; **ग.** घड़ी; **घ.** संकल्प

भाषा की बात

1.

मोसम	–	मौसम	सबेरा	–	सवेरा
सुईयाँ	–	सुइयाँ	संधया	–	संध्या
गुन	–	गुण	आनद	–	आनंद

2.

पूरा	:	अकेला	अधूरा ✓	आधा
खिलना	:	मुरझाना ✓	हँसना	खुलना
सुखी	:	खुशी	दुखी ✓	बेचैन
सोना	:	जागना ✓	जगना	उठना

3.

(डूबना)	गलती	शिक्षा	(निकलना)	(लगना)
समय	(आना)	सवेरा	(जाना)	(देना)

4. महान – अच्छे कार्य करने पर ही व्यक्ति महान बनता है।
   आलस्य – हमें किसी काम में आलस्य नहीं करना चाहिए।
   आनंद – सही समय पर कार्य करने से व्यक्ति को आनंद प्राप्त होता है।
   महत्व – समय का महत्व अनमोल होता है।

5 हमारे त्योहार

लिखित कार्य

1. **क.** होली पर हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं।
   ख. ईद पर हम ईदी अपने बड़ों से माँगते हैं।
   ग. सेंटाक्लॉज क्रिसमस के त्योहार पर उपहार लाता है।
   घ. गुरुपर्व सिक्ख धर्म के लोग मनाते हैं।

2. **क.** (i); **ख.** (i)

भाषा की बात

1.

पिचकारी

उपहार

दीप

क्रिसमस-ट्री

2.

पीना

नाचना

दौड़ना

तैरना

3. रग – रंग
दवाल – दिवाली
सवइयाँ – सेवइयाँ
मोमबती – मोमबत्ती
गझया – गुझिया
इद – ईद
त्यहर – त्योहार
पयार – प्यार

6 मेहनत का फल

लिखित कार्य

1. **क.** चूहे ने खरगोश से खाना माँगा।
   ख. खरगोश ने चूहे को जवाब दिया कि बरसात का मौसम है। अगर फल तुम्हें दे दूँगा तो मैं क्या खाऊँगा।
   ग. चूहा भूख के कारण रोने लगा।
2. **क.** (iii); **ख.** (ii); **ग.** (i)
3. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓; **घ.** ✓

भाषा की बात

1. **क.** मेहनती; **ख.** कामचोर; **ग.** बिल; **घ.** खोखर
2.

चूहा	गिलहरी	खरगोश	पिंकू
जंगल	पेड़	फल	मूँगफली

3. च् + छ — च्छ ➤ अच्छा कच्छा लच्छा
   प् + य — प्य ➤ प्यारा प्याज प्याला
   त् + त — त्त ➤ पत्ता गत्ता छत्ता

7 बीरबल की चतुराई

लिखित कार्य

1. **क.** घुड़सवार ने सिर पर गट्ठर इसलिए रखा क्योंकि उसे लगा कि उसका घोड़ा बहुत कमजोर है। गट्ठर के वजन से कही घोड़ा मर ना जाए।
   ख. आदमी पेड़ के नीचे सिक्का इसलिए नहीं ढूँढ रहा था क्योंकि पेड़ के नीचे अँधेरा था।
   ग. तीसरे मूर्ख के बारे में पूछने पर बीरबल ने उत्तर दिया कि तीसरा मूर्ख मैं ही हूँ।
2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii)
3. **क.** बीरबल ने; **ख.** आदमी ने; **ग.** बीरबल ने

भाषा की बात

1. **क.** गए; **ख.** जाएगा; **ग.** कहा; **घ.** दिया
2. 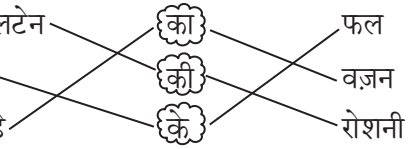

   लालटेन की रोशनी
   पेड़ के फल
   घोड़े का वज़न
3. क्क – शक्कर मक्का
   ट्ठ – गट्ठर मुट्ठी
   च्च – बच्चा कच्चा
   स्त – सस्ता मस्त
4. हस – हँस जगल – जंगल
   ढूढ़ना – ढूँढ़ना हसना – हँसना

8 निडर नरेंद्र

लिखित कार्य

1. **क.** लड़की ने बच्चों से कहा ठहरो। आगे मत जाओ उस पेड़ पर भूत है।
   ख. छोटे लड़के ने कहा– कि मैं नहीं मानता कि वहाँ कोई भूत हैं। इसलिए वह पेड़ पर चढ़ गया।

ग. हम डर को बहादुरी से जीत सकते हैं।

2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

3.

	किसने कहा	**किससे कहा**
क.	लड़की ने	दूसरे लड़के से
ख.	छोटे लड़के ने	बच्चों से

4.

अ	**आ**
क. गरमियों	बच्चों को पकड़ लेता है।
ख. वह भूत	हुआ पेड़ से उतरा।
ग. सब बच्चे डरकर	की शाम थी।
घ. छोटा लड़का हँसता	झाड़ियों के पीछे छिप गए।

भाषा की बात

1. शाम – संध्या सायं
   पेड़ – वृक्ष तरू
   सूरज – रवि दिनकर

2. गरम – ठण्डा शाम – सवेरा
   हाँ – नहीं चढ़ना – उतरना
   हँसना – रोना बाहर – अन्दर

3. लड़का – लड़के बगीचा – बगीचे
   झाड़ी – झाड़ियाँ बच्चा – बच्चे
   लड़की – लड़कियाँ कपड़ा – कपड़े

विचार-कौशल

❖ **चित्रों को देखकर ऋतुओं के नाम लिखो :**

ग्रीष्म ऋतु

शीत ऋतु

वर्षा ऋतु

रचनात्मक कार्य

❖ **सोचकर शब्द-सीढ़ी को पूरा करो :**

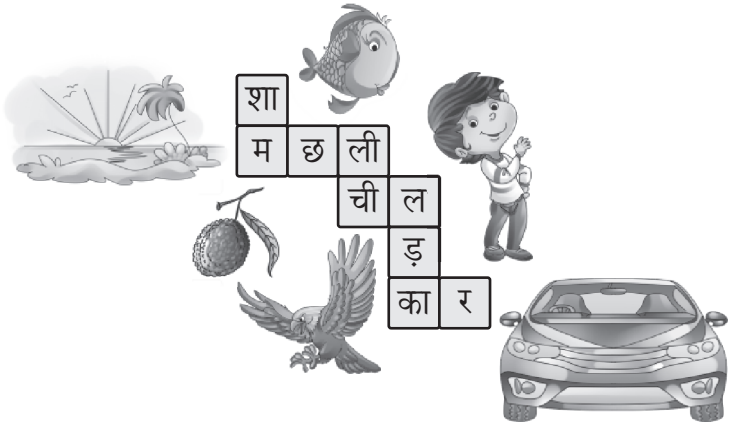

9 गुलमोहर का पेड़

लिखित कार्य

1. **क.** गुलमोहर के पौधे को पानी-खाद देकर पाला-पोसा गया।
   ख. बाँहों को पेड़ की शाखा कहा गया है।
   ग. कवि गुलमोहर के पेड़ के साथ खुश हैं क्योंकि गुलमोहर को पेड़ अब एक छायादार वृक्ष बन गया है।
2. **क.** (iii); **ख.** (ii); **ग.** (i)
3. से इसकी बड़े अब मज़े मैं — शीतल घंटों-घंटों इसकी
   बड़े मज़े से मैं अब इसकी — घंटों-घंटों इसकी शीतल
   पर सकता शाखाओं हूँ चढ़ — सकता छाया पढ़ में हूँ
   शाखाओं पर चढ़ सकता हूँ — छाया में पढ़ सकता हूँ।

भाषा की बात

1. ो
2. पेड़ – वृक्ष — शाखा – टहनी
   सूर्य – सूरज — शीतल – ठण्डा
3. माता-पिता – माता और पिता — भाई-बहन – भाई और बहन
   पेड़-पौधे – पेड़ और पौधे — दिन-रात – दिन और रात

विचार-कौशल

❖ **पहले क्या फिर क्या होगा? 1, 2, 3... लिखकर बताओ :**

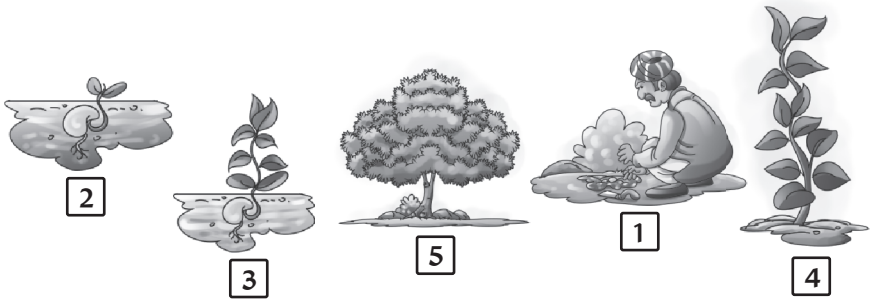

10 आओ, केक बनाएँ

लिखित कार्य

1. **क.** सब बच्चों के लिए परी ने केक बनाने की सोची।
   ख. रिहान मे मदद न करने का कारण बताया–कि वह कंप्यूटर में चित्र बना रहा है।
   ग. परी ने केक बनाने में अण्डों, पिसी चीनी, मक्खन और मैदा आदि सामग्री का प्रयोग किया।
   घ. परी ने सबको केक खाने के लिए इसलिए मना किया क्योंकि किसी ने भी केक बनाने में परी की मदद नहीं की थी।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)
3. **क.** ✗; **ख.** ✓; **ग.** ✓; **घ.** ✗; **ङ.** ✓

भाषा की बात

1.

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
बड़ी	शत्रु	खुशबू	ज़्यादा
मित्र	बुरा	थोड़ा	जाना
ठीक	छोटी	पास	बदबू
अच्छा	गलत	आना	दूर

2.

मक्खन	–	क्ख	–	लक्खा
सप्ताह	–	प्त	–	लुप्त
कंप्यूटर	–	प्य	–	प्यार

3. खु**श**बू **श**िखा **ष**टकोण कृ**षि** **सा**फ़

11 आत्मनिर्भर बनो

लिखित कार्य

1. **क.** (ii); **ख.** (iii); **ग.** (i)
2. **क.** चिड़िया अपनाा घोसला घास-फूस और तिनके इकट्ठा करके बनाती है।
   ख. नटखट बंदर एक डाली से दूसरी डाली पर उछल-कूद करता था।
   ग. तेज बारिश से बंदर पूरा भीग गया था।
   घ. चिड़िया ने बंदर को घर बनाने की सलाह दी कि तुम अगर अपना घर बना लोगे। तो सरदी, गरमी और बरसात से बचे रहोगे।
3. **क. ✗; ख. ✓; ग. ✓; घ. ✗; ङ. ✓**

भाषा की बात

1. खोज – खो + ज   जामुन – जा + मु + न
   घोंसला – घों + स + ला   बरसात – ब + र + सा + त
2. ऊपर – नीचे; अच्छा – बुरा; मीठा – खट्टा   सुबह – शाम; सरदी – गरमी; पूरा – आधा
3. बंदर   चिड़िया   जामुन   पेड़   मेहनत

12 सुभाषा चंद्र बोस

लिखित कार्य

1. **क.** सुभाष चंद्र बोस की माता का नाम प्रभावती तथा पिता का नाम जानकी नाथ बोस था।
   ख. नेता जी ने देश की आजाद होने तक शादी न करने की प्रतिज्ञा की थी।
   ग. नेजा जी ने देशवासियों से कहा था–तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।
   घ. आजाद हिंद फौज का उद्देश्य था कि अंग्रेजी सरकार से अपने देश को आजाद कराना।
2. **क.** (iii); **ख.** (iii); **ग.** (iii); **घ.** (i)
3. **क.** विदूषी; **ख.** घृणा; **ग.** बौखला; **घ.** विचित्र
4. **क. ✓; ख. ✓; ग. ✗; घ. ✓; ङ. ✗**

भाषा की बात

1. भारतीय – भारतीयों   स्कूल – स्कूलों   पद – पदों
   जेल – जेलों   रास्ता – रास्ते   ईंट – ईंटों

2. आज़ादी – स्वतंत्रता आदर – सम्मान शत्रु – दुश्मन
हृदय – दिल जवाब – उत्तर ईश्वर – भगवान

3. **क.** नेता जी को अंग्रेजी सरकार से घृणा होने लगी थी।
ख. सुभाषा चंद्र बोस की एक घोषणा पर अंग्रेजी सरकार बौखला गयी।
ग. देश आजाद होने तक नेता जी ने शादी न करने की प्रतिज्ञा ली।
घ. नेता जी के व्यवहार को देखकर अंग्रेजी सरकार बौखला गयी।
ङ. भारत में उन दिनों गाँधी जी ने सरकार के विरुद्ध आंदोलन चला रखा था।

विचार-कौशल

❖ **ये नारे किसने दिए? सोचकर लिखो :**

क. पं० जवाहर लाल नेहरू **ख.** लाल बहादुर शास्त्री
ग. बाल गंगाधर तिलक **घ.** सुभाष चन्द्र बोस
ङ. महात्मा गाँधी

रचनात्मक कार्य

2.

महात्मा गाँधी

पं० जवाहर लाल नेहरू

वल्लभभाई पटेल

बाल गंगाधर तिलक

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

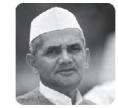
लाल बहादुर शास्त्री

13 स्वच्छ भारत

लिखित कार्य

1. **क.** नेहा ने केला खाकर छिलका वही गिरा दिया।
ख. चिड़िया ने प्यार से नेहा को समझाया कि छिलके को कूड़े दान में डालना चाहिए।
ग. नेहा ने कसम खाई साफ रहेंगे–साफ रखेंगे।

2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

3. साफ़ रहेंगे–साफ़ रखेंगे,
आज कसम हम खाते हैं।

भाषा की बात

1. लड़की – लड़कियाँ पत्ती – पत्तियाँ
गुड़िया – गुड़ियाँ चिड़िया – चिड़ियाँ
गली – गलियाँ दवाई – दवाईयाँ
डाली – डालियाँ परी – परियाँ

2. गदा – गंदा बदर – बंदर सतरा – संतरा

3. खाया – छाया आई – जाई
   उठाया – गिराया अपने – सपने
   गलियों – कलियों खाते – पीते

विचार-कौशल

स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

2.

स्व	च्छ		भा	र	त		अ	भि	या	न
2	4		5	9	7		8	1	6	3

1	2	3	4	5	6	7	8	9
भि	स्व	न	च्छ	भा	या	त	अ	र

14 छिपा खजाना

लिखित कार्य

1. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

2. **क.** मरने से पहले किसान ने अपने चारों बेटों से कहा कि अब मेरे बचने की कोई आशा नहीं है मैने जो जीवन-भर धन कमाया है। वह खेत में दबा हुआ है। मेरे मरने के बाद तुम सब उस धन को निकाल लेना।

   ख. किसान के मरने के बाद उसके बेटे और आलसी हो गए आपस में बहुत झगड़ा करने लगे। घर में खाने के लिए कुछ नहीं बचा वो भूखे मरने लगे।

   ग. बूढ़े आदमी ने लड़कों को सीख दी– कि परिश्रम का फल बहुत मीठा होता है, परिश्रम से किये गये कार्य में सफलता अवश्य मिलती है।

   घ. अंत में चारों लड़के मिलकर खेती-बाड़ी का काम परिश्रम से करने लगे खेत में फसले लहरा उठी पकने पर उन्होंने बाजार में बेच दिया। इससे उन्हें अच्छे धन की प्राप्ति हुई।

3. **क.** जब उन्होंने खेत में मेहनत की और उनकी फसल बहुत अच्छी हुई।

   ख. खेती-बाड़ी की काम परिश्रम से करने पर उन्हें अच्छी फसल प्राप्त हुई।

ग. फसल पकने पर लड़कों ने उसको काटकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में लादकर बाजार में बेच दिया इससे उन्हें धन की प्रप्ति हुई।

4.

अ	आ
क. किसान के चारों	हो गए और उनमें झाड़ियाँ उग गईं।
ख. किसान ने मृत्यु निकट	खेती-बाड़ी परिश्रम से करने लगे।
ग. खेत सूखकर बंजर	बेटे सदैव आपस में लड़ते रहते थे।
घ. चारों मिलकर अपनी	बहुत मीठा होता है।
ङ. परिश्रम का फल	जानकर चारों बेटों को बुलाया।

भाषा की बात

1. मीठा × खट्टा
   स्वस्थ × अस्वस्थ
   निकट × दूर
   परिश्रम × आलसी
   अंतिम × शुरुआत
   मृत्यु × जीवन
2. सरल + ता – सरलता
   कोमल + ता – कोमलता
   स्वच्छ + ता – स्वच्छता
   निर्धन + ता – निर्धनता
   निकट + ता – निकटता
   वीर + ता – वीरता
3. पुत्र – पुत्रों
   चार – चारों
   बच्चा – बच्चों
   दिन – दिनों
   लड़का – लड़के
   पेड़ – पेड़ों

1 प्यारा भारत

लिखित कार्य

1. **क.** भारत के पैरों को सागर धोता है।

   ख. हमें अपना देश प्राणों से प्यारा तथा सब देशों से न्यारा लगता है।

   ग. हम अपने देश को जग का आदर्श शान्ति, दया की राह अपनाकर बना सकते हैं।

2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii)

3. पेड़ों पर लटके मीठे फल
   धरती पर हरियाली है।
   खेत-खलिहान हैं भरे अन्न से
   हर घर में खुशहाली है।

4. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓

भाषा की बात

1.	उच्च	—	ऊँचा		समुद्र	—	सागर		
	मस्तक	—	माथा		शीतल	—	ठंडा		
	आदर्श	—	नमूना		राह	—	रास्ता		
2.	हमारा	—	न्यारा		सागर	—	गागर		
	हरियाली	—	खुशहाली		सँवारेंगे	—	बनाएगें		
3.	नदी	—	सरिता	सरि	जल	—	नीर	पानी	
	पेड़	—	वृक्ष	तरु	घर	—	गृह	भवन	
	धरती	—	जमीन	भूमि	राह	—	रास्ता	पथ	
	जग	—	संसार	विश्व	सागर	—	समुद्र	जलधि	

4. देश — द + ए + श् + अ
   भारत — भ् + आ + र् + अ + त् + अ
   मस्तक — म् + अ + स + त् + अ + क् + अ
   धरती — ध् + अ + र + अ + त + ई

2 चतुर तेनालीराम

लिखित कार्य

1. **क.** अशरफ़ियाँ खर्च करने से पहले महाराज का मुँह कैसे देखे इसलिए सभी दरबारी बेहद परेशान थे।
   ख. राजा को लगा कि तेनालीराम ने उनकी आज्ञा का उल्लंघन किया है इसलिए राजा कृष्णदेव राय तेनालीराम पर क्रोधित थे।
   ग. शत्रु-दरबारी खुश थे क्योंकि उन्हें लगा कि आज तेनालीराम फँस गया है।
   घ. तेनालीराम ने अपने सारी अशरफ़ियों पर अंकित राजा का चित्र देखकर ही खर्च की। इस प्रकार तेनालीराम ने राजा की आज्ञा का पालन किया।
2. **क.** (iii); **ख.** (i); **ग.** (ii)
3. **क.** दरबारी; **ख.** प्रसिद्ध; **ग.** सम्मान; **घ.** जलते
4. **ख.** सभी दरबारियों की यही स्थिति थी।
   ग. मैंने आपकी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया है।

भाषा की बात

1. ं — स्वयं पंद्रह अंकित
   ँ — अशरफ़ियाँ मुँह थैलियाँ
2. **क.** दरबारी; **ख.** अशरफ़ी; **ग.** मुँह; **घ.** शर्त; **ङ.** महाराज
3. **क.** है; **ख.** है; **ग.** हूँ; **घ.** है; **ङ.** हैं, है
4. दिन × रात उपस्थित × अनुपस्थित पहले × बाद
   आसान × मुश्किल पास × दूर ऊपर × नीचे
   नया × पुराना शत्रु × मित्र सज़ा × इनाम

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

3 पक्षी की चाह

लिखित कार्य

1. **क.** पंडित जी ने स्वप्न में देखा कि तोता पिंजरे से आजाद होने को बोल रहा है।
   ख. पक्षियों को पकड़कर उन्हें बेचकर वह व्यक्ति अपने परिवार का गुजारा करता था।
   ग. पंडित जी ने तोते को इसलिए उड़ा दिया क्योंकि तोता आजाद होना चाहता था। आजाद होकर वह बहुत खुश हुआ।

2. **क.** स्वप्न; **ख.** कैद; **ग.** स्वतंत्र; **घ.** नाचने

3. **क.** ✗; **ख.** ✓; **ग.** ✗; **घ.** ✗; **ङ.** ✓

भाषा की बात

1. बच्चा — बच्ची बालक — बालिका मौसा — मौसी
   गाय — बैल बकरी — बकरा शेर — शेरनी

2. **क.** में; **ख.** मैं; **ग.** में; **घ.** मैं

3. **क.** वे तोता बेचने वाले के पास गए।
   ख. उन्होंने उससे एक तोता खरीद लिया।
   ग. पंडित जी ने उसे बहुत कुछ सिखा दिया।
   घ. आपने मुझे क्यों कैद कर रखा है?
   ङ. पंडित जी ने दुखी मन से उसे आज़ाद कर दिया।

4. **ख.** तू स्वतंत्र होना चाहता है न?
   ग. मैं केरल, पंजाब, गोवा और दिल्ली गया।
   घ. क्या तुम मुझे छोड़ सकते हो?
   ङ. वाह! बढ़िया छक्का मारा।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

4 साहसी बच्चे

लिखित कार्य

1. **क.** चौदह वर्षीय बालक रजनीश सहगल ने अपने वीरता और साहस से सैकड़ों लोगों की जान बचायी थी तभी से वीरता पुरस्कारों की शुरुआत हुई।
   ख. प्रधानमंत्री 26 जनवरी को 24 वीर बच्चों को प्रतिवर्ष पुरस्कार देते हैं।
   ग. शोभिता बर्मन और लवली वर्मा ने अपनी जान की परवाह किये बिना गहरे तालाब में डूबते हुए अपने मित्रों को बचाया।
   घ. अंजली गौतम के गाँव पर हमला हो गया था गोलियाँ उसके भाई को लग गई, वह उसे गोद में उठाकर अस्पताल ले गई और उसकी जान बचाई।

2. **क.** (ii); **ख.** (i); **ग.** (iii)

3. **क.** कोलाहल; **ख.** 24; **ग.** जलधारा; **घ.** वीरता, मिसाल

4. **क.** ✗; **ख.** ✓; **ग.** ✓; **घ.** ✓

भाषा की बात.

1. आलू (पु) चावल (पु) भिंडी (स्) अंडा (पु)

मछली	(स्)	आँख	(स्)	गधा	(पु)	भेड़	(पु)
कमरा	(पु)	सेब	(पु)	शेरनी	(स्)	डाकू	(पु)

2. गर्व — सर्व पर्व
   प्रेम — प्रेत प्रेस
   राष्ट्र — ट्रक ट्रेन

3. **क.** जो बस चलाता है — चालक
   ख. जो कभी न डरता हो — निडर
   ग. जो राष्ट्र से संबंधित हो — राष्ट्रीय
   घ. जो पशु चराता हो — चरवाहा

4. **दिए गए संयुक्ताक्षरों से बने दो-दो शब्द लिखो :**

च्च	— कच्चा	बच्चा	प्य	— प्याज	प्यार
म्म	— मम्मी	चम्मच	न्न	— अन्न	प्रसन्न

5. **क.** 24 बच्चों — के — नाम रजनीश सहगल था।
   ख. वीरता पुरस्कारों — की — शुरुआत नेहरू जी द्वारा हुई।
   ग. स्काउट लड़के — का — नामों की घोषणा हुई।
   घ. उसने सैकड़ों लोगों — के — जान बचाई।

6. **क.** चारों ओर कोलाहल मच गया।
   ख. वीरता पुरस्कारों की शुरुआत नेहरु जी ने की।
   ग. साहसी बच्चों को प्रतिवर्ष पुरस्कार दिया जाता है।,
   घ. सभी बच्चों ने वीरता की अद्‌भुत मिसाल स्थापित की।

विचार-कौशल

❖ **एक वीर और साहसी मनुष्य में दिए गए गुणों में से जो गुण होने चाहिए, उन्हें सोचकर दिए मेडल के नीचे लिखो :**

उत्साह साहस आत्मविश्वास वीरता धैर्य

5 डिस्कवरी चैनल

लिखित कार्य

1. **क.** कंगारू अपनी टाँगों को आगे की ओर बढ़ाकर, उछल-उछल कर भागता है।

ख. कंगारूओं के झुंड का नेता एक बड़ा कंगारू होता है।

ग. कंगारू अधिकतर घास-फूस और फल खाते हैं।

2. **क.** (ii); **ख.** (i); **ग.** (iii)

3. **क.** विभा ने, दादा जी से; **ख.** दादा जी ने, विभा ने; **ग.** पापा ने, विभा से

4. **क.** जानवरों; **ख.** कंगारु; **ग.** जोइस; **घ.** पानी

भाषा की बात

1. **क.** ?; **ख.** ।; **ग.** !

2. अगला × पिछला बढ़ना × रुकना बाहर × अंदर
   विशेष × सामान्य भारी × हल्का शुरू × अंत

3. **क.** कंगारु की पूँछ लंबी और भारी होती है।

   ख. हाथी के कान पंखे की तरह होते है।

विचार कौशल

1. **क.** डिज़नी; **ख.** भालू; **ग.** तरबूज; **घ.** पतंग; **ङ.** जलेंबी; **च.** गेंदा

रचनात्मक कार्य

2. मुँह ➤ हाथी पीठ ➤ कछुआ
   दाँत ➤ हाथी पंख ➤ मोर
   पैर ➤ हिरन कान ➤ खरगोश

6 नन्हीं बूँदें

लिखित कार्य

1. **क.** वर्षा की बूँदें नन्हीं-नन्हीं हैं।

   ख. बूँदे फूलों का मुँह धोती और पेड़ों को हरियाली देती है जिससे उन्हें नया जीवन मिलता है।

   ग. बूँद हमें संदेश देती है कि जल ही जीवन है। वर्षा के जल से ही धरती हरी-भरी रहती है।

2. **क.** (iii); **ख.** (ii); **ग.** (i)

3. मुँह धो देती फूलों को हम
   पेड़ों को हरियाली देतीं
   जीवन उसको मिल जाता है।
   जिस प्राणी को हम छू देतीं।

4. **ख.** झूम-झूमकर जल बरसाते हैं।

ग. वर्षा अपने जल से पेड़ों को हरियाली देती है।

घ. वर्षा के जल से धरती हरी-भरी रहती है।

भाषा की बात

1. छोटी — नन्हीं आकाश — आसमान कुसुम — फूल
   ज़िंदगी — जीवन समुद्र — सागर पृथ्वी — भूमि
2. **ख.** नन्हीं; **ग.** शीतल तथा मीठा
3. **क.** बादल काला ✓ आसमान
   ख. वर्षा खुशियाँ शीतल ✓
   ग. हरा ✓ हरियाली पंख

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

7 नाकदार चना

लिखित कार्य

1. **क.** गेहूँ और चने में झगड़ा हो रहा था। दोनों अपने आप को श्रेष्ठ बता रहे थे।

   ख. गेहूँ से आटा, दलिया सूजी और मैदा बनता है।

   ग. बेसन को लोग कई तरीकों से खाते हैं। बेसन से नमकीन और मिठाइयाँ भी बनती हैं।

   घ. सियार ने चने को श्रेष्ठ बताया।
2. **क.** (ii); **ख.** (i); **ग.** (ii); **घ.** (iii); **ग.** (ii)
3. **क.** क्योंकि सियार की बात सुनकर निराश होकर गेहूँ ने अपने पेट पर चाकू चला लिया। चना खुशी से फूला न समाया।

   ख. बहुत खुश होना

   ग. गेहूँ के पेट में बना गहरा निशान दिखाई देता है।
4. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓; **घ.** ✗; **ङ.** ✓

भाषा की बात

1. पत्र — पत्ता — पतझड़ में पेड़ों के सभी पत्ते गिर जाते हैं।
   पत्र — चिट्ठी — उसने अपने पिताजी को चिट्ठी लिखी।
   बाल — सिर के बाल — उसके सिर के बाल भूरे हैं।
   बाल — बालक — बालक सेब खा रहा है।

2. चना — चने पौधा — पौधे रोटी — रोटियाँ
माला — मालाएँ विशेषता — विशेषताएँ पूड़ी — पूड़ियाँ
मिठाई — मिठाईयाँ जलेबी — जलेबियाँ कुरसी — कुरसियाँ
3. क्यूँकि — क्योंकि पेदा — पैदा शरेष्ठ — श्रेष्ठ
दलीया — दलिया हलुवा — हलवा अङकुरित — अंकुरित
मीठाई — मिठाई परन्तु — परंतु निसान — निशान
4. **अब दिए गए वाक्यों को 'मत' का प्रयोग करके लिखो :**
क. तुम बाहर मत बैठो। **ख.** आप यहाँ मत आइए।
ग. तुम जल्दी मत करो। **घ.** आप तेज़ी से मत चलो।

विचार-कौशल

1. चना, मूँग, सोयाबीन, मोठ, लोभिया
2. गेहूँ — आटा, दलिया, सूजी, मैदा
चना — बेसन, दाल, नमकीन, मिठाई

मोगली आया गाँव में

लिखित कार्य

1. **क.** गाँव के लोग कोबरा के लिए दूध रखते थे क्योंकि गाँव में कोबरा को नाग देवता माना जाता था।
ख. बड़े-बुजुर्ग एक-दूसरे को कभी भगवान की, कभी इंसान की, तो कभी भूतों की कहानियाँ सुनाते थे।
ग. हिरन और जंगली सुअर उनकी फसलें चट कर जाते थे।
घ. बलदेव अपनी बंदूक को गोद में रखकर एक के बाद दूसरा और दूसरे के बाद तीसरा किस्सा सुनाता चला गया था इसलिए बलदेव की कहानियाँ सुनकर मोगली हँसता था।
2. **क.** (iii); **ख.** (i); **ग.** (ii); **घ.** (ii)
3. **क.** मोगली ने गधे की पूँछ पकड़कर उसे बाहर निकाला।
ख. मोगली ने बरतन वापस जमाने में कुम्हार की मदद की।
ग. कुम्हार बरतन कान्हीवाड़ा के बाजार में बेचने जा रहा था।
4. [4] मोगली को जंगल के बारे में काफ़ी कुछ मालूम था।
[3] नाई को पूरे गाँव के हर घर की पूरी खबर थी।

[5] जितनी देर वे किस्से चलते, मोगली अपने पिछले जीवन में गोता लगाता रहता।

[1] मोगली को अपनी ताकत का ज़रा भी अंदाज़ नहीं था।

[2] रोज़ रात में ये लोग चौपाल पर बैठकर गपशप करते थे।

भाषा की बात

1. **क.** गाँव में गूलर का एक बड़ा पेड़ था।
   ख. एक दिन कुम्हार का गधा गड्ढे में गिर पड़ा।
   ग. मोगली में साँड जितनी ताकत थी।
   घ. कहानियाँ चलती रहती बच्चे सुनते रहते।
2. चीता — चीते कारनामा — करानामे दरवाज़ा — दरवाजे
   कहानी — कहानियाँ जाति — जातियाँ खुशी — खुशियाँ
3. **क.** बलदेव अपने शिकार की बहुत शेखी बघारता था।
   ख. बलदेव की कहानियाँ सुनकर बच्चों की आँखे फटी रह गई।
   ग. खाना इतना स्वादिष्ट था कि वह सब चट कर गया।
   घ. रात को चौपाल में बैठकर बातें सुनकर मोगली के पेट में बल पड़ जाते थे।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

9 ऋतुराज

लिखित कार्य

1. **क.** कविता में बसंत ऋतु का वर्णन है।
   ख. फागुन में नभ गुलाल जैसा लाल लगता है।
   ग. बाग-बगीचों की सुन्दरता देखकर सब बलिहारी हो जाते हैं।
2. खिल उठी पीली सरसों की क्यारी रंग-बिरंगे फूलों से सज गई फुलवारी
   लहलहा उठी गेहूँ की हर बाली आया ऋतुराज लाया ऐसी खुशहाली।

भाषा की बात

1. डाली — शाखाएँ बाली — गेहूँ का दाना
   फुलवारी — बाग-बगीचे शोभा — सुन्दरता
2. काली — माली निराली — मतवाली
   क्यारी — न्यारी लाली — बाली

3. कोयल — कोकिला, पिक नभ — आकाश, आसमान
फूल — पुष्प, कुसुम निराली — न्यारी, अनोखा

विचार कौशल

❖ **भारत की ऋतुओं के नाम सोचकर लिखो।**
सरदी, वर्षा, गरमी, वसन्त

रचनात्मक कार्य

❖ **वर्ग-पहेली से सार्थक शब्द छाँटकर लिखो :**
कोयल डाली तालाब बस पीली हीरा निराली तोता

10 पौधे : हमारे मित्र

लिखित कार्य

1. **क.** पेड़-पौधे हमसे निम्न रूप से जुड़े हैं। इनके बिना हम जीवित नहीं रह सकते हैं। इनसे हमें ऑक्सीजन मिलती है और भोजन, लकड़ी तथा ईंधन प्राप्त होता है।
ख. हम जो साँस लेते हैं, वह ऑक्सीजन है और हम जो साँस छोड़ते हैं, वह कार्बन-डाई-ऑक्साइड है। पेड़-पौधे कार्बन-डाई-ऑक्साइड (अशुद्ध वायु) को खुद पी जाते हैं। और हमें ऑक्सीजन (शुद्ध वायु) और खाना भी देते हैं।
ग. माली ने बच्चों को पौधों के उपयोग बताये कि पौधों से हमें जीवन मिलता है। कई फूलों से दवाइयाँ भी बनती है तथा खेत में पौधों पर सब्जी लगती है।
2. **क.** (iii); **ख.** (iii); **ग.** (i)
3. **क.** पिंकी ने; **ख.** माली ने; **ग.** बंटी ने; **घ.** माली ने; **ङ.** पिंकी ने

भाषा की बात

1.

वाक्यांश	एक शब्द
क. जो खेती करता है	किसान
ख. जो पौधों की देखभाल करता है	माली
ग. जो मूर्ति बनाता है	मूर्तिकार
घ. जो लकड़ी का फर्नीचर बनाता है	बढ़ई
ङ. जो मिट्टी के बरतन बनाता है	कुम्हार

3. अच्छा — बुरा हँसना — रोना खुशबू — बदबू
छाया — धूप शुद्ध — अशुद्ध दिन — रात
4. सब्जी — हमें सब्जियाँ पेड़-पौधें से मिलती है।

दवाइयाँ — कई फूलों से दवाइयाँ भी बनती हैं।
गुठली — आम में एक गुठली होती है।
दिमाग — पिंकी ने बंटी को चिढ़ाते हुए कहा–कि उसका दिमाग बिल्कुल खाली है।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

11 प्यार भरा पत्र

लिखित कार्य

1. **क.** दादा जी ने नये साल की शुभकामनाएँ देने के लिए पत्र लिखा।
   ख. दादा जी उर्दु और अंग्रेजी भाषा जानते थे।
   ग. साक्षी को पत्र दादा जी ने लिखा।
   घ.

किसने लिखा	**कब**	**कहाँ से**	**किसे**
शारदा जी	नये साल पर	नई दिल्ली	पुत्री को
दादा जी	नये साल पर	दिल्ली	साक्षी को

2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

भाषा की बात

1. आशीर्वाद — आशीष देना स्वस्थ — हष्ट-पुष्ट
   शुभ — अच्छा प्रिय — प्यारा
   पुत्री — बेटी कामना — इच्छा
2. स्व — स्वर स्वस्थ स्वाभिमान
   स्थ — स्वस्थ स्थल स्थान
   स्त — नमस्ते अस्त व्यस्त
3.

सुंदर

फूल

लड़की

आम

इमली

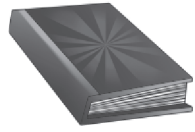
किताब

4. पत्र — लिफ़ाफ़ा डाक चिट्ठी ✓
नया — पहला नवीन ✓ शुरू
प्रिय — प्यारा ✓ प्रेम स्नेह
वर्ष — 365 दिन दिन साल ✓

विचार कौशल

1. स्वयं कीजिए।
2.

डाकिया
पत्र लाता है।

दर्जी
कपड़े सिलता है।

डॉक्टर
रोगी को देखता है।

धोबी
कपड़े धोता है।

पुलिस
चोरों को पकड़ती है।

अध्यापक
पढ़ाता है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं कीजिए।

12 जलती हाँडी

लिखित कार्य

1. **क.** पूरी फीस जमना न कराने के कारण गैलीलियों को विश्वविद्यालय से निकाल दिया गया।
   ख. गैलीलियों को बचपन में देखी गई लैंप हिलने वाली घटना याद आई।
   ग. घड़ी में पेंडुलम की गति धीमी होने से पता चलता है कि वह रुकने वाला है। रुकने का अर्थ है घड़ी में चाबी खत्म हो गई। उसमें फिर से चाबी भरनी है।
2. **क.** आदमी लैंपपोस्ट के पास आकर रुका।

ख. आदमी ने लैंपपोस्ट पर लटकी हाँडी को उतारकर लैंप को निकाला उसमें तेल भरा। उसे जलाकर हाँडी में रखा और उसका ढक्कन बंद करके रस्सी खींची। हाँडी फिर से लैंपपोस्ट के ऊपर लटकने लगी।

ग. बालक ने हाँडी के इस तरह हिलने को ध्यान से देखा।

3. **क.** लैंपपोस्ट; **ख.** पीसा; **ग.** गरीब; **घ.** चाबी

4. **क.** बालक गिरजाघर की सीढ़ियों पर बैठा किसी का इंतजार कर रहा था।

ख. हाँडी फिर से लैंपपोस्ट के ऊपर लटकने लगी।

ग. पूरे इटली में गैलीलियों को बड़ी ख्याति मिली।

भाषा की बात

1.

शब्द	विलोम
शाम	सुबह
बाहर	अंदर
आना	जाना
नीचे	ऊपर

शब्द	विलोम
बड़ा	छोटा
गरीबी	अमीरी
कम	ज़्यादा
आगे	पीछे

2.

नगर	—	नगरों
सड़क	—	सड़कों
खंभा	—	खंभे
घड़ी	—	घड़ियाँ

बालक	—	बालकों
कपड़ा	—	कपड़े
सीढ़ी	—	सीढ़ियाँ
चाबा	—	चाबियाँ

3.

बरफ़-सा	—	ठंडा		गुलाब-सा	—	सुंदर
घास-सा	—	हरा		मिर्च-सा	—	तीखा
कौए-सा	—	काला		गुड़-सा	—	मीठा
सूरज-सा	—	चमकीला		रुई-सा	—	कोमल

4. इंतजार — प्रतीक्षा — गैलीलियों सीढ़ियों पर बैठा किसी का इंतजार कर रहा था।

आरंभिक — शुरुआत — आरंभिक काल में नाड़ी देखकर किसी के स्वास्थ्य की दशा जान लेते थे।

प्रवेश — आगमन — अध्यापक कक्षा में प्रवेश करते ही सभी छात्र खड़े हो गये।

सहायता — मदद करना — हमें दूसरों की सहायता करनी चाहिए।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

13 रंगों का त्योहार

लिखित कार्य

1. **क.** होली का त्योहार सबको प्रेरणा देता है कि हम सबको सारे राग-द्वेष भाव को दूर भगा देना चाहिए।
   ख. होली के दिन सब हलवा, पूड़ी और गुझियाँ खाते हैं।
   ग. होली रंगों का त्योहार है।
2. **क.** (ii); **ख.** (i); **ग.** (iii); **घ.** (ii)
3. नए साल के आने की हम'
   खूब मनाएँ खुशियाँ।
   खाएँ और खिलाएँ सबको'
   हलवा, पूड़ी और गुझियाँ।

भाषा की बात

1. खुशी — खुशियाँ पूड़ी — पूड़ियाँ गुझिया — गुझियाँ
   टहनी — टहनियाँ पत्ती — पत्तियाँ रोटी — रोटियाँ
2. जड़ — चेतन पास — दूर नया — पुराना
   पाप — पुण्य हिंसा — अहिंसा दिन — रात
3. त्योहार — त् + य् + ओ + ह् + आ + र् + अ
   द्वेष — द् + व् + ऐ + ष् + अ
   गुब्बारे — ग् + उ + ब् + ब् + आ + र् + ऐ
   होलिका — ह् + ओ + ल् + इ + क + आ
4. त्य — सत्य ➤ प्रत्यय प्रत्येक
   द्व — द्वारा ➤ द्वेष द्वितीय
   ब्ब — डिब्बा ➤ गुब्बारा अब्बा
   न्न — अन्न ➤ प्रसन्न खिन्न
   च्च — सच्चा ➤ बच्चा कच्चा
5. दूर भगाया — दूर भगाई
   मनाया जाता है — मनायी जाती है
   सफल हुआ — सफल हुई
   भिगो दिया — भिगो दी
   मिलकर आया — मिलकर आई

14 मैं हूँ टी० वी०

लिखित कार्य

1. **क.** मम्मी ने विनायक से कहा– कि तुरंत टी०वी० बंद करो और खाना खाओ।
   ख. टी०वी० ने विनायक को अपने बारे में बताया कि मैं आधुनिक विज्ञान का अनोखा चमत्कार हूँ। मुझे जे० एल० बियर्ड ने बनाया था।
   ग. जब बच्चे बहुत ज्यादा टी०वी० देखते हैं तब माता-पिता के लिए टी०वी० एक मुसीबत बन जाता है।
   घ. टी०वी० देखते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि बहुत पास ना बैठे हो। हमें अपनी आँखों की ज्योति का भी ध्यान रखना चाहिए।
2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii)
3.

	किसने कहा	किससे कहा
क.	विनायक ने	टी०वी० से
ख.	टी०वी० ने	विनायक से
ग.	टी०वी० ने	विनायक से

4. **क.** बड़ा; **ख.** घर; **ग.** आँखों; **घ.** बात

भाषा की बात

1. **क.** म् + अ + म + म् + ई
   ख. आ + ध् + उ + न + इ + क् + अ
   ग. स् + अ + म + आ + च + आ + र् + अ
   घ. र + अ + ओ + च् + अ + क + अ
   ङ. स् + उ + ल् + अ + भ् + अ
2. विनायक, टी०वी०, मैच, बटन, कार्टून
3. **क.** विनायक ने बेमन से टी०वी० बंद किया।
   ख. अरे! तुम भी बोल सकते हो।
   ग. क्या तुम मेरे बारे में जानना चाहते हो?
   घ. माँ ने कहा, ''तुरंत टी०वी० बंद करके खाना खाओ।''
   ङ. टी०वी० पर हम फ़िल्में मनोरंजक कार्यक्रम व मैच देखते हैं।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

रचनात्मक कार्य

1. **क.** घड़ी; **ख.** टी०वी०
2. स्वयं कीजिए।

मिल गई साइकिल

लिखित कार्य

1. **क.** पुनीत ने फिल्म में अपने ही उम्र के गरीब लड़के राघव को देखा, जिसमें उसके पिता बहुत बीमार थे।
   ख. पुनीत ने फ़िल्म देखने के बाद अपने बगीचे की खुदाई शुरु कर दी।
   ग. जब वह किसी बच्चे को साइकिल चलाते देखता था तो साइकिल के लिए पुनीत का मन मचल उठता था।
   घ. पुनीत को रुआँसा देखकर माँ ने उसे समझाया कि बेटा! मेहनत कभी भी बेकार नहीं जाती।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)
3. **क.** सुबह उठते ही पुनीत बगीचे की खुदाई में लग गया।
   ख. दोपहर होने तक पुनीत ने पूरा बगीचा खोद दिया।
   ग. पुनीत को खजाना नहीं मिला इसलिए वह उदास था।

भाषा की बात

1. दिन – रात आगे – पीछे सच – झूठ
   बाहर – अंदर उदास – खुशी ऊपर – नीचे
2. साइकिल – साइकिलें सिक्का – सिक्के इच्छा – इच्छाएँ
   डिब्बा – डिब्बे फ़िल्म – फ़िल्में पौधा – पौधे
3. **क.** डिब्बा; **ख.** माता जी; **ग.** गुलाब

प्रकृति की सीख

लिखित कार्य

1. **क.** सागर की लहरें मन में गहराई लाने को कह रही हैं।
   ख. धरती कहती है कि हमें कभी अपना धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए।
   ग. नभ कहता है कि हमें बहुत बड़ा बनना चाहिए।
   घ. हमें प्रकृति से यह सीख मिलती है कि हमें भी पर्वत की तरह ऊँचा, सागर की तरह गहरा, धरती की तरह धैर्य, नभ की तरह सब कुछ ढक लेना चाहिए।
2. **क.** (ii); **ख.** (iii); **ग.** (ii)
3. समझ रहे हो क्या कहती है, भर लो, भर लो अपने मन में,
   उठ-उठ, गिर-गिर तरल तरंग। मीठी-मीठी मृदुल उमंग।
4. **प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक 'नायरा' के 'प्रकृति की सीख' नामक पाठ से ली गई है।
   भावार्थ : प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि धरती सभी व्यक्तियों का भार वहन करती है तथा उसकी धैर्य न छोड़ने की क्षमता बहुत अधिक होती है। धरती की ही भाँति हमें भी धीरज नहीं छोड़ना चाहिए चाहे हमारे सिर पर कितना ही भार क्यों न हो।
   उसी प्रकार आकाश हमें अपनी भाँति सभी स्थान में फैलने का संदेश देता है। कि जिस प्रकार आकाश पूरे संसार को ढक लेता है उसी प्रकार हमें भी अपनी ख्याति सभी जगह फैलानी चाहिए।

भाषा की बात

1. शीश — शी + श तरल — त + र + ल
   सागर — सा + ग + र धरती — ध + र + ती
2. तरल — सरल सागर — गागर मन — धन
   सिर — गिर सारा — मारा भार — जार
3. पर्वत — शिखर गिरि पहाड़
   सागर — जलधि सिंधु समुद्र
   धरती — धरा भूमि पृथ्वी
   नभ — आकाश गगन अम्बर

नादान चिड़िया

लिखित कार्य

1. **क.** सेठ ने चिड़िया को बगीचे में ही रुकने के लिए कहा क्योंकि चिड़िया बहुत सुंदर थी और उसे देखकर राजा को प्रसन्नता होती थी।
   ख. चिड़िया अपनी माँ को, भाई को, सूरज को और धूप को जानती थी।
   ग. सेठ द्वारा बटन दबाने पर एक आवाज हुई और नौकर बाहर आया।
   घ. नौकर के पंजे से बचने पर चिड़िया चिचियाई और एकदम उड़ गई।
2. **क.** (iii); **ख.** (i); **ग.** (iii)
3.

	किसने कहा	किससे कहा
क.	माधवदास ने	चिड़िया से
ख.	चिड़िया ने	माधवदास से
ग.	मा ने	चिड़िया से

4. [3] गुलाब की डाली पर एक सुंदर चिड़िया आ बैठी।
   [1] सेठ ने संगमरमर की कोठी बनवाई।
   [4] माधवदास ने चिड़िया को बगीचे में ही रुकने को कहा।
   [5] नौकर ने चिड़िया को पकड़ने की कोशिश की।
   [2] सेठ ने कोठी में बहुत सुंदर बगीचा लगवाया।

भाषा की बात

1. बगीचा — उपवन, बाग पानी — जल, नीर
   सूरज — भानू, भास्कर फूल — पुष्प, सुमन
   हवा — वायु, पवन बादल — मेघ, जलचर
2. प्रेम — घृणा पास — दूर प्रकाश — अंधकार
   सुंदर — बदसूरत धूप — छाँव खुशबू — बदबू
   प्रसन्न — दुखी अंदर — बाहर कल — आज
3. सेठ — सेठानी पिता — माता
   नौकर — नौकरानी राजा — रानी
   चिड़ा — चिड़िया बच्चा — बच्ची

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

शेखचिल्ली का सपना

लिखित कार्य

1. **क.** शेखचिल्ली की अम्मी ने उससे कहा, ''बेटा! अब तुम बड़े हो गए हो। तुम्हें कुछ काम-धंधा करना चाहिए।''

   ख. सेठ ने कहा, ''दो अंडों से तो इंसान की तकदीर बदल सकती है।'' सेठ की इसी बात पर शेखचिल्ली ने टोकरा सिर पर रख लिया।

   ग. वह सोच रहा था, ''सेठ मुझे दो अंडे देगा। अंडों से चूज़े निकलेंगे, जो बड़े होकर मुरगे या मुरगियाँ बनेंगे। मुरगियाँ और अंडे देंगीं, जिनमें से और चूज़े निकलेंगे। इस तरह मेरा एक बड़ा मुरगीघर बन जाएगा।

   घ. क्योंकि सारे अंडे टूट गये थे। इसलिए सेठ शेखचिल्ली पर गुस्सा हो गया।

2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

3.

	किसने कहा	**किससे कहा**
क.	शेखचिल्ली ने	अम्मी से
ख.	सेठ ने	शेखचिल्ली से
ग.	सेठ ने	शेखचिल्ली से

4.

	कॉलम 'अ'	**कॉलम 'आ'**
क.	शेखचिल्ली मस्ती में	का व्यवसाय शुरू हो जाएगा।
ख.	शेखचिल्ली टोकरा सिर पर	झूमता हुआ घर से बाहर निकला।
ग.	जल्दी ही मेरा दूध	लाखों की ज़ायदाद सब चली गई।
घ.	मेरे तो बीबी-बच्चे,	रख सेठ के पीछे-पीछे चलने लगा।

भाषा की बात

1.

	संज्ञा	**क्रिया**
क.	शेखचिल्ली	देखता था
ख.	शेखचिल्ली	चल दिया
ग.	अंडे	टूट गए
घ.	हाथी	कमाऊँगा

2.

बेटा	— बेटे	रास्ता	— रास्ते	अंडा	— अंडे
टोकरा	— टोकरे	चूज़ा	— चूजे	भैंस	— भैंसें
मुरगी	— मुरगियाँ	लड़का	— लड़कें	बच्चा	— बच्चे

3. अम्मी — चाची दादी माँ ✓
इंसान — मनुष्य ✓ मानवता लड़का
मेहनत — भाग्य परिश्रम ✓ सफलता
दुनिया — लोग भीड़ संसार ✓

4. **क.** सपने देखना।
शेखचिल्ली ख्याली पुलाव बहुत बनाता था।
ख. घबरा जाना।
अंडों को टूटा हुआ देखकर उसका कलेजा मुँह को आ गया।
ग. अधिक गुस्सा करना।
अंडे टूट जाने पर सेठ शेखचिल्ली पर आग बबूला हो गया।

4 चुभती भूल

लिखित कार्य

1. **क.** जब बूढ़ा नमाज़ पढ़ने लगता, तब वह उस पर धूल फेंकता, कभी उसे छोटे-छोटे कंकड़ मारता और उसका रूमाल खींच लेता।
ख. उसकी सन के समान सफ़ेद और लहराती हुई लंबी दाढ़ी, उसका वह हाथ फैलाकर दुआएँ माँगना लेखक को अच्छा लगता था।
ग. बूढ़े ने जवाब दिया "बेटा! इतना ऊधम न किया करो, सीधे-सीधे खेला करो।"
घ. बड़ा होने पर लेखक को अपनी बचपन में की गई भूल का अहसास हुआ इसलिये वह बहुत शर्मिंदा है।
2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii)
3. **क.** ✗; **ख.** ✓; **ग.** ✗; **घ.** ✗; **ङ.** ✓
4.

	किसने कहा	**किससे कहा**
क.	बूढ़े ने	लेखक से
ख.	लेखक ने	बूढ़े से
ग.	पिता ने	लेखक से
घ.	बूढ़े ने	पिताजी से

भाषा की बात

1. नए-नए, धीरे-धीरे, बार-बार, ठंडी-ठंडी, थर-थर, सीधे-सीधे, छोटे-छोटे, लंबा-चौड़ा, जंगल-पहाड़

2. बादशाह — बेगम बेटा — बेटी लड़का — लड़की
बच्चा — बच्ची पिता — माता अब्बा — अम्मी
3. सुंदर — बदसूरत प्रशंसा — निन्दा निडर — डरपोक
अधूरी — पूरी पुरानी — नयी ठंडा — गर्म
4. दोराहा — जहाँ दो रास्ते मिलते हो।
तिराहा — जहाँ तीन रास्ते मिलते है।
5. इच्छा — तुम्हारी क्या इच्छा है?
नमाज़ — मैं प्रतिदिन नमाज पढ़ता हूँ।
निडर — वह लड़का बहुत निडर है।
तमीज़ — उसे जरा भी तमीज़ नहीं है।
नादान — तुम बहुत नादान हो।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

5 ओणम

लिखित कार्य

1. **क.** वर्षा के बादल छँटते ही ठंडी-ठंडी और तेज़ हवाएँ थम जाती हैं और केरल का प्राकृतिक सौंदर्य निखर उठता है। पूर्व दिशा में सह्याद्रि पर्वत के पीछे से जब सूरज उभरकर केरल को प्रकाशित करता है, उसके प्रकाश में पश्चिमी तट के समुद्र की लहरें चमकने लगती हैं। सूरज की सुनहरी किरणों में समुद्र-तट की रेत के कण दमकने लगते हैं और हलके-हलके बयार के झोंकों से नारियल के पेड़ों के पत्ते लहलहाने लगते हैं।
पेड़-पौधों और बेलों में हरियाली छा जाती है। नदी, सरोवर और तालाबों का निर्मल और स्वच्छ जल उजले दिन और चाँदनी रातों के वातावरण को बहुत सुंदर बना देता है।

   ख. ओणम के दिन भोजन में चावल, सब्ज़ियाँ, खीर, पापड़ और कई प्रकार के स्वादिष्ट फल होते हैं। ओणम के त्योहार के उपलक्ष्य में विशेष प्रीतिभोज आयोजित किए जाते हैं। प्रीतिभोज के बाद लोग अपनी-अपनी रुचि के अनुसार खेल-कूद, कविता-प्रसंग या नृत्य-गान में अपना समय व्यतीत करते हैं।

   ग. ओणम के त्योहार का एक प्रमुख आकर्षण नौका-दौड़ है।

2. **क.** (iii); **ख.** (ii); **ग.** (i)

3. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓; **घ.** ✓

4.

कॉलम 'अ'	**कॉलम 'आ'**
क. सूर्योदय होते ही आँगन को	तितलियाँ फूलों पर मँडराती दिखाई देती हैं।
ख. हलके-हलके बयार के झोंकों	नृत्य कथकली का भी आयोजन होता है।
ग. ओणम के दिनों में रंग-बिरंगी	वसंतोत्सव से कम नहीं है।
घ. ओणम का त्योहार वास्तव में	गोबर से लीपा और फिर आँगन में फूल-चक्र बनाए।
ङ. केरल में कई जगह प्रसिद्ध	से नारियल के पेड़ों के पत्ते लहलहाने लगते हैं।

भाषा की बात

1.

पर्वत	—	अचल, गिरि	हवा	—	वायु, समीर
पेड़	—	तरू, विटप	कपड़ा	—	वस्त्र, वसन
फूल	—	पुष्प, सुमन	सूर्य	—	दिनकर, रवि

2.

महोदय	—	महा + उदय	प्रकाशित	—	प्रकाश + इत
सूर्योदय	—	सूर्य + उदय	वैज्ञानिक	—	वैज्ञान + इक
परोपकार	—	पर + उपकार	शक्तिमान	—	शक्ति + मान
हितोपदेश	—	हित + उपदेश	बुद्धिमान	—	बुद्धि + मान

3.

वाक्यांश	**एक शब्द**
क. जो खेलता हो	कवि
ख. जो कविता लिखे	धनवान
ग. जिसके पास अपार धन हो	अध्यापक
घ. जो पढ़ाता हो	विदेशी
ङ. अभिनय करने वाला	खिलाड़ी
च. जो अपने देश का न हो	अभिनेता

4. **रु** रुष्ठ, रुतबा **रू** रूपया, रूद्राक्ष

5. **ओणम** – ओणम केरल का प्रसिद्ध त्योहार है।
नारियल – हवा के झोंकों से नारियल के पत्ते लहलहाते हैं।
मुखिया – तिरूवोणम के दिन हर सदस्य परिवार के मुखिया से नए कपड़े लेता है।

आयोजन – ओणम त्योहार के उपलक्ष्य में प्रतिभोज का आयोजन किया जाता है।

स्वादिष्ट – ओणम के भोजन में चावल, खीर तथा कई प्रकार के स्वादिष्ट फल होते हैं।

रचनात्मक कार्य

1.

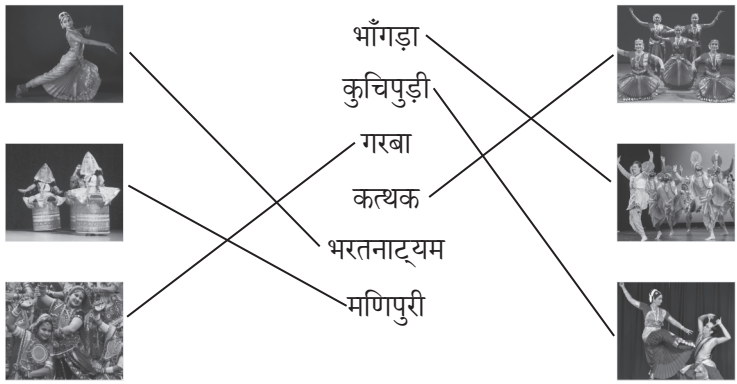

2. **क.** क्रिसमस; **ख.** दिपावली; **ग.** लोहड़ी; **घ.** रक्षाबन्धन; **ङ.** होली

6 शरद का आकाश

लिखित कार्य

1. **क.** शरद ऋतु की दोपहर में सोने जैसी तेज धूप निकली है, और हवा से पेड़ की डाली पर झूला-झूलने के सुख का अनुभव होता है।

   ख. पशु-पक्षी अपनी प्रसन्नता को दिखाने के लिए अपनी चोंच से चोंच मिलाते हैं, अपनी गरदन से गरदन मिलाकर सुख होते हैं। कबूतरों को जोड़ा प्रसन्नतापूर्वक आकाश में उड़ते हैं।

   ग. कवि ने 'हुआ सबका अपना आकाश' इसलिए कहा है क्योंकि शरद ऋतु में सभी लोग धूप का आनन्द लेते है। पशु-पक्षी भी धूप में प्रसन्नतापूर्वक आकाश में उड़ते हैं इसलिए यह सबका अपना आकाश है।

2. भरी है पारिजात की डाल
   नई कलियों से मालामाल
   कर रही बेला का संकेत
   जगत में जीवन हाल-हुलास।

3. **क.** नीला; **ख.** सोने; **ग.** कलियाँ; **घ.** प्रसन्न

भाषा की बात

1. **ख.** चित्रों को पंक्ति; **ग.** हंसों की पंक्ति; **घ.** पुष्पों की पंक्ति; **ङ.** रोमों की पंक्ति; **च.** कुसुमों की पंक्ति

2.

	शब्द	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
क.	सोना	निद्रा	रोहन टी०वी० देखते-देखते सो गया।
	सोना	स्वर्ण	धूप का रंग सोने की तरह होता है।
ख.	बेल	लता	अंगूर की बोल में बहुत से अंगूर लगे हैं।
	बेल	जमानत	कारावास से बेल कराकर व्यक्ति बाहर आता है।
ग.	डाल	डालना	वृक्षों पर पानी डालना चाहिए।
	डाल	टहनी	चिड़ियाँ पेड़ों की डाल पर बैठती है।

3. **क.** आकाश — अंबर, गगन, नभ
   ख. पेड़ — वृक्ष, तरु, पादप
   ग. जगत — दुनिया, संसार, जग
   घ. हवा — समीर, पवन, वायु

4. आकाश — पाताल, अपना — पराया, ढ़लना — निकलना
   धूप — छाँव, सोना — जागना, नई — पुरानी
   जीवन — मृत्यु, हास — उदास, सुखी — दुखी

ईदगाह

लिखित कार्य

1. **क.** उसके अब्बा रुपए कमाने गए हैं। वे उसके लिए बहुत-से खिलौने लेकर आएँगे और खूब सारा धन भी कमाकर लाएँगे। अम्मी अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बहुत अच्छी-अच्छी चीज़ें लाने गई हैं। इसलिए हामिद बहुत प्रसन्न रहता है।
   ख. मोहसिन दोने से एक रेवड़ी निकालकर हामिद की ओर बढ़ाता है। हामिद हाथ फैलाता है। मोहसिन रेवड़ी अपने मुँह में रख लेता है।
   ग. उसे ख्याल आया, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं, तो हाथ जल जाता है; अगर वह चिमटा ले जाकर दादी को देगा तो वे कितनी प्रसन्न होंगी।
   घ. अमीना ने छाती पीट ली क्योंकि उसने सोचा ''यह कैसा नासमझ लड़का है कि दोपहर हो गई, कुछ खाया न पिया। चिमटा उठा लाया।''

2. **क.** (ii); **ख.** (i); **ग.** (ii); **घ.** (iii)

3. **क.** अमीना के बटुवे में केवल पाँच पैसे हैं।

ख. बच्चों के लिए नगर की सभी चीज़ें बेहद अनोखी थीं।

ग. ऊपर इमली के घने वृक्षों की छाया में नीचे पक्के फ़र्श पर जाज़िम बिछा हुआ है। रोज़ेदारों की पंक्तियाँ एक के पीछे एक, दूर तक चली गई हैं।

4.

	किसने कहा	**किससे कहा**
क.	मोहसिन ने	हामिद से
ख.	महमूद ने	हामिद से
ग.	हामिद ने	दुकानदार से
घ.	अमीना ने	हामिद से
ङ.	हामिद ने	अमीना से

भाषा की बात

1.

न्न —	अन्न	मन्नत	जन्नत
म्म —	अम्मा	मम्मी	चम्मच
ब्ब —	अब्बा	रब्बा	धब्बा
क्क —	चक्की	मक्का	पक्का

2.

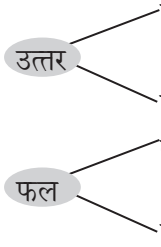

जवाब — परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर देने पड़ते हैं।

दिशा — ध्रुव तारा उत्तर दिशा में रहता है।

केला, संतरा — केला और संतरा स्वादिष्ट फल है।

परिणाम — मेहनत का फल मीठा होता है।

3.

	विशेषण	**प्रविशेषण**
ख.	सुंदर	बहुत
ग.	छोटी	सबसे
घ.	अनोखी	बेहद

4.

प्रसन्न — अप्रसन्न	गरीब — अमीर	ऊपर — नीचे
महँगा — सस्ता	खुशबू — बदबू	बुराई — अच्छाई
ज़मीन — आसमान	प्रेम — घृणा	क्रोध — शान्त

8 वन महोत्सव

लिखित कार्य

1. **क.** हमारे विद्यालय में 'वन महोत्सव' कार्यक्रम मनाया गया। हमारे क्षेत्र के शिक्षाधिकारी विद्यालय में मुख्य अतिथि बनकर आए। उन्होंने विद्यालय के प्रवेश द्वार पर आम का एक वृक्ष लगाया। उसके बाद कार्यालय के बाहर हमारे प्रधानाचार्य जी ने अमरूद का एक वृक्ष लगाया। फिर सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं ने क्रमशः वृक्ष लगाए।

   ख. पेड़ों से हमें फल-फूल के अलावा उपयोगी जड़ी-बूटियाँ भी मिलती हैं। इनसे विविध औषधियाँ तैयार की जाती हैं।

   ग. पेड़ की जड़ें पानी को सोखती हैं और पानी के प्रवाह की गति और उसके वेग को कम कर देती हैं। वृक्ष भूमि पर स्थित मिट्टी को बनाए रखते हैं। यह मिट्टी वर्षा के पानी को शीघ्रता से सोखती है और बाढ़ पर नियंत्रण रखती है।

   घ. पेड़-पौधे बादलों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इस तरह ये वर्षा में सहायक होते हैं।

   ङ. वातावरण को दूषित होने से बचाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

2. **क.** (i); **ख.** (i); **ग.** (ii); **घ.** (ii)

3. **क.** ईंधन; **ख.** वर्षा; **ग.** प्रदूषण; **घ.** धुआँ; **ङ.** फेफड़ों

4.

क. वृक्ष लगाने की प्रक्रिया	वृक्षारोपण
ख. उत्पन्न होने का स्थान	उद्गम
ग. नदी का मुँह	मुहाना
घ. जलाने वाली वस्तुएँ	ईंधन
ङ. शुद्ध वायु	ऑक्सीजन

भाषा की बात

1. **क.** में, पर; **ख.** के लिए; **ग.** में; **घ.** को

2.

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
आम	वृक्ष	समझदार	दीपक
शुद्ध	वायु	विविध	औषधियाँ
गीली	मिट्टी	इमारती	लकड़ियाँ
हरी	मिर्च	ठंडी	छाँव

3. **क.** स्वच्छ — साफ़ (दूषित)
   ख बाढ़ — पानी (सूखा)
   ग. गाँव — (शहर) ग्राम
   घ. ठंडा — शीत (गरम)
   ङ. उपयोगी — (अनुपयोगी) योग्य

4. **क.** पर बेटा क्या तुम समझते हो कि इससे क्या लाभ होगा?
   ख. पेड़ों से हमें फल फूल के अलावा उपयोगी जड़ी बूटियाँ भी मिलती हैं।
   ग. नगरों में बसों ट्रकों कारों और स्कूटरों से भी तो धुआँ निकलता है।

समय का सदुपयोग

लिखित कार्य

1. **क.** पृथ्वी समय के साथ घूमती है।
   ख. समय व्यर्थ गँवाने पर पछताना पड़ता है।
   ग. हर काम समय पर निपटाना ज़रूरी है क्योंकि बीता हुआ समय वापस नहीं आता है।
   घ. समय का सदुपयोग करने वाले को जीवन में सफलता जरूर मिलती है।
2. **क.** (ii); **ख.** (i); **ग.** (iii); **घ.** (i)
3. हमें समय के महत्व को समझना चाहिए कोई भी कार्य हो उसे आज ही और इसी वक्त करना चाहिए कल पर नहीं टालना चाहिए कार्य को सही समय पर करना चाहिए। समय का मूल्य समझना चाहिए।
4. **क.** समय का पहिया चलता जाए, समय अनमोल हमें सिखाए।
   जो समय को व्यर्थ गँवाते लुटाकर मनके भी वापस न पाते।
   ख. जो समय का सदुपयोग है करते,
   जीवन में सफलता से दाम हैं भरते।

भाषा की बात

1. जाए — खाए गँवाते — पाते आता — जाता
   जातीं — आती टालो — डालो लाओ — खाओ
2. **क.** भूमि, धरा; **ख.** आराम, सुख ; **ग.** श्रम, मेहनत
3. खोया — पाया सफलता — असफलता विश्राम — परिश्रम
   आज — कल जीवन — मृत्यु सदुपयोग — दुरुपयोग

10 पर्यावरण की रक्षा

लिखित कार्य

1. **क.** पत्रों के लिफ़ाफ़ों का गाँधी जी लिखने में उपयोग करते थे।
   ख. गाँधी जी ने आश्रमवासियों से कहा हमें ऐसे उपाय सोचने चाहिए जिससे पेड़ों की बरबादी रुक सके।
   ग. गाँधी जी ने उसी दिन आश्रम के बरामदे में एक बाल्टी टँगवा दी। यह सूचना प्रसारित कर दी गई कि अगली सुबह से प्रत्येक आश्रमवासी दातुन करने के बाद दातुन के दोनों टुकड़ों को धोकर उस बाल्टी में डालेगा। दस बजे के आस-पास कोई एक व्यक्ति उस बाल्टी में जमा हुए दातुन के सभी टुकड़े धूप में सूखने के लिए फैलाएगा।
   घ. जो काम किसी एक कागज़ के दोनों हिस्सों से लिया जा सकता है, उसके लिए दो अलग-अलग कागज़ खर्च होते हैं। परिणामस्वरूप अधिक कागज़ों का निर्माण करने के लिए अधिक पेड़ काटने पड़ रहे हैं। यही कारण है कि पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है।
2. **क.** (iii); **ख.** (iii); **ग.** (i)
3. **क.** गाँधी जी ने आश्रमवासियों को याद दिलाया कि हम दाँत माँजने के लिए जो दातुन इस्तेमाल में लाते हैं। उसे एक बार प्रयोग करने के बाद हम फेंक देते हैं। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए।
   ख. गाँधी जी चाहते थे कि दातुन इस्तेमाल करने के बाद उसे फेंके नहीं उसे साफ करने के बाद उसे सुखाकर हम ईंधन के काम लें।
   ग. दातुन प्रयोग में लाने के बाद फेंक देते हैं। यदि हम ऐसा न करें तो हमारे ईंधन के लिए कम पेड़ कटेंगे।
4. **क.** पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है।
   ख. हमारे देश के अधिकतर लोग गाँव में रहते हैं।
   ग. दातुन का दातुन और ईधन का ईंधन।

भाषा की बात

1. प्र → प्रवास ➤ प्रचार प्रदेश
   निर् → निर्देश ➤ निर्दोष निर्भय
   उप → उपयोग ➤ उपहार उपसंहार
2. संतुलन — असंतुलन सचेत — अचेत अस्थायी — स्थायी
   समर्थ — असमर्थ समाप्त — आरम्भ सुविधा — असुविधा

3. **क.** सेठ, नौकर; **ख.** भिखारी; **ग.** गाँधी जी, मगनवाड़ी

4. **क.** आँख का तारा होना — अत्यधिक प्यारा।
कृष्ण यशोदा माँ की आँखों के तारे थे।
ख. बाल-बाल बचना — मुसीबत से बचना।
कल राम सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचा।
ग. मुँह की खाना — हार जाना।
भारत और पाकिस्तान के मैच में पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ीं।
घ. कान का कच्चा होना — किसी की भी बात का विश्वास करना।
मनुष्यों को कानों का कच्चा नहीं होना चाहिए वरना बाद में उसे पछताना पड़ता है।

11 मेरा सफ़रनामा

लिखित कार्य

1. **क.** डॉ० कलाम पिताजी की लगन, उनके ऊँचे विचारों और उनकी कर्मठता से अत्यधिक प्रभावित हुए।
ख. डॉ० कलाम ने स्नातक की परीक्षा 1958 ई० में 'मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की।
ग. डॉ० कलाम पायलट चयन में इसलिए नहीं चुने जा सके क्योंकि आठ व्यक्तियों को ही चुनना था और वह नौवें स्थान पर थे।
घ. भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपास्त्र डॉ० कलाम (एस०एल०वी०—तृतीय) बनाया। उन्होंने 'पृथ्वी' और 'अग्नि' जैसे प्रक्षेपास्त्र स्वदेशी तकनीक से बनाए।
ङ. डॉ० कलाम भारत के राष्ट्रपति 2002 में चुने गए। वे 2007 तक इस पद पर रहे।

2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (ii); **घ.** (i)

3. **क.** डॉ० कलाम भारत को हमेशा आत्मनिर्भर देखने के इच्छुक रहे।
ख. आज हम शक्तिसंपन्न हैं, तो लोग हमें गीदड़-भभकियाँ देकर डरा नहीं सकते।
ग. प्रतीक्षा करने वालों को उतना ही हिस्सा मिलता है, जितना हिस्सा संघर्ष करने वाले छोड़ देते हैं।

भाषा की बात

1. **क.** न + अ + व + अं + ब + अ + र + अ
   ख. न् + य् + आ + य् + अ + ध् + ई + श् + अ
   ग. आ + त् + म + अ + स + आ + त्
   घ. स् + अ + म् + म् + आ + न + इ + त् + अ
2. **क.** आदर्श; **ख.** शक्तिसंपन्न; **ग.** ऊँचे; **घ.** विशेष; **ङ.** पाँच
3. **क.** बच्चो, मेरी कहानी सुनो।
   ख. आखिर मैं क्या बनना चाहता था?
   ग. तुम क्या चाहते हो?
   घ. जीवन में सफलता पाने के लिए तीव्र इच्छा आस्था और अपेक्षा होनी चाहिए।

ज्ञान की परख

लिखित कार्य

1. **क.** अधिक ज्ञान को जाँचने के लिए तीनों को ज्ञान की परीक्षा देने के लिए कहा गया।
   ख. संस्कार मंत्र पढ़ता है और शेर के कंकाल पर माँस, रक्त और उसके ऊपर खाल आ जाती है। इस प्रकार संस्कार ने अपना ज्ञान दिखाया।
   ग. पुरातन मंत्र पढ़ता है और शेर जीवित हो जाता है। इस प्रकार पुरातन ने अपनी महानता दिखाई।
   घ. शेर को पुरातन ने जीवित किया।
   ङ. वह ज्ञान जिससे अपनी या दूसरों की हानि हो, ज्ञान नहीं बल्कि अज्ञान है।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii); **घ.** (i)
3. **क.** ✓; **ख.** ✓; **ग.** ✗; **घ.** ✓

भाषा की बात

1. **क.** मत → वोट ➤ 18 वर्ष के बाद सबको वोट डालनी चाहिए।
   मत → नहीं ➤ यहाँ पर कूड़ा मत करो।
   ख. डाल → डालना ➤ उचित प्रत्याशी पर मत डालना चाहिए।
   डाल → शाखा ➤ वृक्षों पर बहुत सारी डाल होती हैं।
2. शेर — शेरनी बकरी — बकरा बिल्ली — बिलाव
   शिष्य — शिष्या बालक — बालिका राजकुमार — राजकुमारी

3. सौभाग्य — दुर्भाग्य ज्ञान — अज्ञान मूर्ख — ज्ञानी
हानि — लाभ दंड — पुरस्कार अपमान — सम्मान

13 पेड़ का दर्द

लिखित कार्य

1. **क.** पेड़ सूरज से प्रकाश लेकर अपना भोजन स्वयं बनाते हैं।
   ख. पेड़ जहरीली वायु ग्रहण करके भी हमें शुद्ध वायु देते हैं और हमें ठंडी छाया देकर हमारे सारे दुख दूर करते हैं।
   ग. पेड़ नहीं होगा तो हमारा जीवन भी नष्ट हो जायेगा। हमें पेड़ों के बिना ताजी साँस भी नहीं ले सकते। अतः हमारा जीवन पेड़ों के बिना बहुत कष्टदायी हो जाएगां इसलिए वृक्षों को हमें काटना नहीं चाहिए।
2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii)
3. तेरे नन्हे—मुन्नो को नित,
   छाया तले सुलाता हूँ।
   मीठी-मीठी लोरी गाकर,
   अपनी गोद सुलाता हूँ।

भाषा की बात

1. पेड़ — भेड़ ताप — जाप भोला — बोला
   दुख — सुख भैया — नैया झुलाता — सुलाना
   पाता — जाता पाएगा — जाएगा लेता — देता
2. **क.** धीरे-धीरे बरस रहा है; **ख.** बादल घिर आए; **ग.** व्यायाम करता है; **घ.** फल खाऊँगा; **ङ.** वर्षा हो रही है
3. **क.** दिन — वार — वह पूरे दिन से काम कर रहा है।
   दीन — गरीब — सुदामा एक दीन ब्राह्मण है।
   ख. तप — तपस्या — ऋषि लम्बे समय तक तप करते हैं।
   ताप — गर्मी — सूर्य में बहुत ताप होती है।
4. **क.** देते; **ख.** मिटाता; **ग.** गाता रहता; **घ.** मिलती; **ङ.** सुलाता

विचार कौशल

1. पर्यावरण-दिवस 5 जून को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य जनसभा को पर्यावरण के महत्व से परिचित कराकर, इसके संरक्षण का प्रयास करना है।
2. वे पथिक को छाया प्रदान करते हैं। पेड़-पौधों से हमें ऑक्सीजन भी मिलती है। पेड़-पौधे हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं।

14 माउंट आबू

लिखित कार्य

1. **क.** माउंट आबू राजस्थान का एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल है। इस पर्वतीय स्थल पर वे सभी विशेषताएँ मौजूद हैं, जो प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। झील का किनारा, ऊँचे घने वृक्ष, ऊँचे-नीचे, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, डूबते सूरज का मनोरम दृश्य सहज ही प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

   ख. नक्की झील राजस्थान की एक ऐसी झील है, जो सरदियों में अक्सर जम जाती है। झील के किनारे स्थित यहाँ के मुख्य बाज़ारों में शाम को एक मेला-सा लगता है। यहाँ बिकने वाली अधिकतर वस्तुओं पर राजस्थानी व गुजराती छाप नज़र आती है। कहा जाता है कि देवताओं ने अपने नाखूनों से इस झील को खोदा था। इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा।

   ग. यह परमार राजाओं ने बनवाया गया था। बाद में राणा कुंभा ने इसका पुनर्निर्माण करवाया।

   घ. माउंट आबू पर एक 'सनसेट प्वाइंट' है, जहाँ अस्तगामी सूर्य के अप्रतिम सौंदर्य व बदलते रंगों की अभूतपूर्व छटा को देखते हुए दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

   ङ. माउंट आबू से 15 किलोमीटर की दूरी पर अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी 'गुरु शिखर' स्थित है। यहाँ पहुँचकर ऐसा लगता है, मानो हम बादलों के बीच पहुँच गए हैं।

2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii)

3. **क.** दिलवाड़ा मंदिर से पाँच किलोमीटर आगे अचलगढ़ का किला स्थित है।

   ख. अचलेश्वर महादेव मंदिर के पीछे मंदाकिनी कुंड है।

   ग. माउंट आबू पर एक 'सनसेट प्वाइंट' है, जहाँ अस्तगामी सूर्य के अप्रतिम सौंदर्य व बदलते रंगों की अभूतपूर्व छटा को देखते हुए दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

भाषा की बात

1.

शृंखला — शृंखलाएँ	झील — झीलें	माला — मालाएँ
चट्टान — चट्टानें	विशेषता — विशेषताएँ	स्त्री — स्त्रियाँ
मंदिर — मंदिरों	प्रतिमा — प्रतिमाएँ	देवता — देवाताओं

2. **विशेषण** **विशेष्य**

क. पर्वतीय	प्रदेश
ख. दर्शनीय	स्थल
ग. सुंदर	झील
घ. अद्‌भुत	नमूना
ङ. कलात्मक	मंदिर

3. **क.** उन्होंने; **ख.** यह; **ग.** आप, हमारे; **घ.** कोई; **ङ.** इस, अपने
4. **क.** निकाले बैठी है; **ख.** बना है; **ग.** सुनाती है; **घ.** जम जाती है; **ङ.** बनवाया गया
5. पर्वतीय → पर्वत + ईय   आकर्षित → आकर्ष + इत
   प्राकृतिक → प्रकृति + इक   मनोहारी → मनोहर + ई
   प्रभावित → प्रभाव + इत   गुजराती → गुजरात + ई

15 कर्मवीर : दशरथ माँझी

लिखित कार्य

1. **क.** जलसे के आयोजन का उद्‌देश्य दशरथ माँझी को सम्मानित करना था।
   ख. दशरथ हल-बैल के साथ पहाड़ की परिक्रमा करते हुए खेत के लिए रवाना हो जाते। पत्नी भोजन तैयार कर, पानी की बालटी और खाने की पोटली के साथ घंटों चलकर पसीने से लथपथ खेत में पहुँचती।
   ग. दशरथ ने गाँव के हर घर में जाकर पूरे गाँव की बैठक बुलाई थी। बैठक में पत्नी की व्यथा सुनाते हुए पूरे गाँववालों से एकजुट होकर श्रमदान करने तथा पहाड़ काटकर सड़क बनाने का आग्रह किया था।
   घ. दशरथ को अपने अभियान को अंजाम देने में दो दशक का समय लगा।
   ङ. मुख्यमंत्री ने उन्हें 'पहाड़-पुरुष' का खिताब देते हुए पदक, प्रशस्ति-पत्र और नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया था।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)
3. **क.** खेत से लौटने के बाद दशरथ जलपान करते ही गैंती, कुदाल और टोकरी लेकर पहाड़ पर जाने लगा।
   ख. दशरथ घंटों अकेले ही चट्‌टान काटता रहता था।
   ग. गाँववालों का व्यवहार दशरथ माँझी के प्रति अच्छा नहीं था उसकी खिल्ली उड़ाया करते थे।

4. क. ✗; **ख.** ✗; **ग.** ✗; **घ.** ✗; **ङ.** ✓

भाषा की बात

1.

आदर	—	अनादर/निरादर	होनी	—	अनहोनी
स्वस्थ	—	अस्वस्थ	भय	—	निर्भय
देखा	—	अनदेखा	दोष	—	निर्दोष
सहयोग	—	असहयोग	भूतपूर्व	—	अभूतपर्व

2. क. पर्वत; **ख.** नामुमकिन; **ग.** अर्थपूर्ण; **घ.** अडिग

3.

पागलपन	—	पागल + पन	पारिवारिक	—	परिवार + इक
गंभीरता	—	गंभीर + ता	शारीरिक	—	शरीर + इक
विशालकाय	—	विशाल + काय	आदरपूर्वक	—	आदर + पूर्वक
शैक्षिक	—	शैक्ष + इक	सामाजिक	—	समाज + इक

4. क. गाँववाले दशरथ की खिल्ली उड़ाकर हौंसला पस्त करते थे।

ख. गाँववाले दशरथ माँझी की खिल्ली उड़ाते थे।

ग. दशरथ माँझी सुबह उठते ही काम में जुट जाता था।

घ. दशरथ माँझी ने पहाड़ के बीच सड़क बना कर ही दम लिया।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

1 गीत खुशी के....

लिखित कार्य

1. **क.** पृथ्वी के लोगों के मंगल ग्रह पर जाने से छिपे रहस्य सौरमंडल की नई खोज कर पाएँगे।
   ख. 'मंगल-रिटर्न' कहलाने से कवि का अभिप्राय है कि हम पुनः मंगल ग्रह पर जायेंगे।
   ग. बच्चा अपना तिरंगा लोक-लोक में जाकर फहराना चाहता है।
2. दिन के घंटे है चौबीस — है लुभावनी धरती उसकी
   वहाँ न जल की धाराएँ, — नव जीवन की आशाएँ।
3. **क.** कविता में शुष्क और वीरान भूमि की बात की जा रही है।
   ख. वहाँ हिम और पानी नहीं है।
   ग. शुष्क — सूखा — हिम — बर्फ

भाषा की बात

1. ष (ष) → कष्ट — भृष्ट — नष्ट
   स् (स) → अस्त — व्यस्त — निरक्त
   ट्ट (ट्ट) → मिट्टी — खट्टा — चट्टान
   म्म → अम्मा — निकम्मा — चम्मच
2. तरल — सरल — सागर — गागर — मन — धन
   पौधा — पौधे — गीत — गीतों — धारा — धाराएँ
   फूल — फूलों — घंटा — घंटे — झरना — झरनें
   नदी — नदियाँ — आशा — आशाएं — ग्रह — ग्रहों
3. नभ — अंबर — गगन — आकाश
   भूमि — भू — धरा — पृथ्वी
   नदी — तटिनी — सरिता — तरंगिणी
   घर — गृह — धाम — आवास
   जल — पानी — नीर — तोय

4. विपरीतार्थक शब्द लिखो :

वहाँ	— यहाँ	खुशी	— दुखी	शुष्क	— आर्द्र
दिन	— रात	नवीन	— प्राचीन	अपना	— पराया
नई	— पुरानी	जाना	— आना	एक	— अनेक

गुरु-शिक्षा

लिखित कार्य

1. **क.** गुरु जी सभी बच्चों को समान शिक्षा और प्यार देते थे।
   ख. वह जानता था कि राजकुमार कल राजा बनेंगे और प्रजा को दंड देंगे। दंड देते समय उन्हें याद रहे कि अपमान भरे शब्द कितनी तकलीफ़ देते हैं, इसलिए उन्होंने उन्हें इस तकलीफ़ का अनुभव कराया था। राजा बनने से बड़ा होता है मनुष्य बनना, जो दूसरों के दर्द को समझता हो।''
   ग. राजा बोला, ''उस दरिद्र पंडित की यह मजाल कि राजकुमार को बेवजह अपमानित किया! जाओ, पकड़ लाओ उस पंडित को, मैं उसे इस गुस्ताखी का मज़ा चखाऊँगा।''
   घ. अंत में राजकुमार को इस बात का पछतावा हुआ कि वह शिक्षा के रहस्य को न समझ पाया।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii); **घ.** (i)
3. स्वयं कीजिए।
4. **क.** सिपाही पंडित वृषभान के आश्रम की ओर उन्हें पकड़ने के लिए दौड़े।
   ख. पंडित वृषभान आश्रम से इसलिए लापता हो गए थे क्योंकि वे जानते थे कि राजकुमार को अपमानित करने के कारण राजा उन पर बहुत गुस्सा करेगा। पकड़कर उन्हें सरेआम पिटवा देगा।
   ग. जब उन्हें लगा कि अब राजा की उत्तेजना ठंडी पड़ गई होगी, तब वे वेश बदलकर राजदरबार में पहुँच गए।

भाषा की बात

1. **क.** दुख; **ख.** अमीर; **ग.** प्रशंसा; **घ.** मूर्ख; **ङ.** अच्छाई
2. **ख.** मैंने राजकुमारों को पढ़ाया।
   ग. किसानों पर लगान न देने का आरोप लगा।
   घ. हम जानते थे कि राजकुमार कल राजा बनेंगे।
   ङ. उन्होंने चौंककर पंडितों को देखा।

3. **क.** आपने मुझे क्यों मारा गुरु जी?
   ख. काश! मैं भी राजा बन जाता।
   ग. शाबाश! राजकुमार तुमने अच्छा काम किया।
   घ. पंडित जी को ही देखो बैसे ही पकड़ लो।
4. **क.** शिक्षक, अध्यापक; **ख.** सवेरा, दिवस; **ग.** नेत्र, नयन; **घ.** पुत्र, तनुज; **ङ.** नरेश, नृप

बाल स्वामीनाथन

लिखित कार्य

1. **क.** वह मन-ही-मन सोच रहा था कि यदि छुट्टियों में भी पढ़ाई करना ज़रूरी है, तो छुट्टियाँ दी ही क्यों जाती हैं?
   ख. पिताजी ने सवाल को मन में पढ़ा और पूछा—''दस आमों की कितनी कीमत है?''
   ग. वह यह फ़ैसला नहीं कर सकता था कि सवाल जोड़ का है, घटा का है, गुणा का है या भाग का है।
   घ. राम और कृष्ण के बीच कुछ आमों और कुछ पैसों के लेन-देन को लेकर लंबी चिकचिक पर स्वामीनाथन को बहुत झुँझलाहट हो रही थी।
   ङ. 1966 में मैक्सिको के बीजों को पंजाब की घरेलू किस्मों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गेहूँ के संकर बीज विकसित किए।
2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii); **घ.** (iii)
3. **क.** पिताजी ने यह कहकर हार मान ली, ''एक आम की कीमत होगी पंद्रह बटा दस। अब इसे सरल करो।''
   ख. उसे उम्मीद थी कि उत्तर गलत बताया जाएगा।
   ग. यातना झेलने के बाद स्वामीनाथन ने घोषणा की कि कृष्ण को छह आने देने होंगे।
4.

	किसने कहा	**किससे कहा**
क.	स्वामीनाथन जी ने	पिताजी से
ख.	पिताजी ने	स्वामीनाथन से
ग.	पिताजी ने	स्वामीनाथन से
घ.	स्वामीनाथन ने	पिताजी से
ङ.	पिताजी ने	स्वामीनाथन से

भाषा की बात

1. आवाज़ — आवाज़ें
   पुस्तक — पुस्तकें
   कमरा — कमरे
   पैसा — पैसे
   छुट्टी में — छुट्टियों में
   पोशाक में — पोशाकों में
   सवाल को — सवालों में
   आम की — आमों की
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (ii); **घ.** (i)
3. **क.** चार आमों का कितना मूल्य हुआ?
   ख. वह निर्णय नहीं कर सकता था।
   ग. पिताजी ने अपनी पराजय स्वीकार की।
   घ. उन्होंने पुत्र को सारी दोपहर परेशानी में डाले रखा।
4. **क.** पहले सवाल हल करो, बाद में उत्तर बताऊँगा।
   ख. जब तक तुम वहीं बताओगे, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूँगा।
   ग. यदि पिताजी जरूरी समझते हैं, तो बाजार जाकर पूछ ले।
5. **क.** बहुत क्रोध करना।
   जब बच्चों ने खेलते हुए पड़ोसियों के धर का काँच तोड़ डाला तो पड़ोसी लाल-पीले हो गए।
   ख. क्रोध में आना।
   इस तरह जरा-जरा सी बात पर आग-बबूला होने से स्वयं की हानि होती है।
   ग. इतना अधिक क्रुद्ध होना कि संयम जाता रहे।
   जैसे ही प्रधानाध्यापक ने छात्रों को अनुशासनहीनता करते देखा तो वह अपने आप से बाहर हो गये।

आंद्रे विसेलियस

लिखित कार्य

1. **क.** कब्रिस्तान में नोट्स बनाने के लिए दोनों ने मिलकर कब्र की मिट्टी हटाई। फिर एक व्यक्ति वहाँ पहरा देने लगा। दूसरे व्यक्ति ने झोले में से एक मोमबत्ती, माचिस और कुछ औज़ार निकाले। मोमबत्ती जलाकर वह व्यक्ति मुरदे की चीरफ़ाड़ करने लगा। बीच-बीच में वह अपनी नोट-बुक में कुछ लिखता भी जा रहा था।

ख. विसेलियस ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेरिस के मेडिकल स्कूल में पढ़ाई की। यहाँ उसने जानवरों की चीरफ़ाड़ करके उनके विभिन्न अंगों की बनावट का अध्ययन किया।

ग. धर्मगुरुओं की मान्यता था कि मानव-शरीर ईश्वर की रचना है और मनुष्य को ईश्वर की रचना के रहस्य जानने का कोई अधिकार नहीं है। जो ऐसा करेगा, वह ईश्वर की रचना में हस्तक्षेप करेगा, उसे दंड दिया जाएगा।

घ. लुइस ने हँसकर कहा, ''मान लो कोई मुरदा ही ज़िंदा हो जाए।''

ङ. आंद्रे विसेलियस की मृत्यु के दो सौ साल बाद जब लोगों की सोच बदली और मुरदों की चीरफ़ाड़ की अनुमति मिलने लगी तो उसकी किताब 'फ़ेब्रिका' को पढ़ा गया। तब चिकित्सा-विज्ञान से जुड़े लोगों ने पाया कि उसने जो कुछ लिखा था वह सच है।

2. **क.** (iii); **ख.** (ii); **ग.** (ii)

3. **क.** आंद्रे विसेलियस और लुइस ने कई रातें कब्रिस्तान में बिताईं।

ख. मानव शरीर की संरचना।

ग. फ़ेब्रिका

4.

	किसने कहा	**किससे कहा**
क.	आंद्रे ने	लुईस से
ख.	लुईस ने	आंद्रे से
ग.	आंद्रे ने	लुईस से
घ.	आंद्रे ने	डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और विद्वानों से

भाषा की बात

1. आद्रे — आंद्रे दवाए — दवाएँ प्रतिबध — प्रतिबंध
   आधी — आँधी अग — अंग आख — आँख

2. अंधेरा × उजाला आकाश × पाताल
   धर्म × अधर्म रोगी × निरोगी
   जिंदा × मुरदा जलाना × बुझाना
   सजा × ईनाम शीत × उष्ण

3. र — रचना रात राम रजनी
   ◌ — वर्ष खर्च धर्म कर्म
   ◌ — प्रकट प्रत्येक प्रमाण प्राप्त
   ◌ — ड्रम ट्रेन ट्रिक ट्रक

4. सन्नाटा — चारों तरफ सन्नाटा पसरा हुआ है।
   गुपचुप — वह गुपचुप घर से बाहर चला गया।
   अध्ययन — वह मनुष्य के शरीर की भीतरी बनावट का अध्ययन कर रहा था।
   हस्तक्षेप — उसे इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।
   अनुमति — उसने उसे घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी।

बापू के पत्र

लिखित कार्य

1. **क.** गाँधी जी ने ब्रश, सर्कस में जाना, बहन को दो रूपये कि किताब आदि खर्चों को अनावश्यक बताया है।
   ख. गाँधी जी ने कहा—''जब केला, पपीता, अंगूर सस्ते हों, तब जामुन, मुसंबी, संतरा, टमाटर, भाजी की पत्तियाँ, कच्ची गाजर, इमली और नींबू इतनी चीज़ों में से कुछ भी खा सकते हो।''
   ग. थाली, लोटा, कटोरे, दो गिलास, चम्मच, छुरी, बिछौना, दरी, तकिया, चद्दर, कमली, छाता, लालटेन—इतना सामान साथ में होना चाहिए।
   घ. यह तीनों पत्र 1935 से 1937 ई० सदी में लिखे गये।
2. **क.** करोड़ों लोगों की हजामत में ब्रश बिलकुल इस्तेमाल नहीं किया जाता।
   ख. आईना एक आना में मिल सकता है।
   ग. बहन को दो रुपए की पुस्तक भेजी गई थी।
3. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓; **घ.** ✓; **ङ.** ✗
4. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

भाषा की बात

1. बे — बेबाक बेसब्र बेवफा
   कम — कमल कमजोर कम
   बद — बदसूरत बदहाल बदबू
   खुश — खुशनसीब खुशबु खुशकिस्मत
2. किसी गाँव **से** एक संन्यासी गुज़र रहा था। पास ही एक मंदिर था। एक लड़की मंदिर **में** दीया जलाने जा रही थी। संन्यासी **ने** उसे रोका और पूछा, ''दीपक **में** ज्योति कहाँ **से** आई?'' बालिका **ने** कहा कि जलाया तो मैंने

दीपक ही था किंतु ज्योति कहाँ **से** आई मैं नहीं जानती। अचानक लड़की **को** कुछ सूझा और उस **ने** फूँक मारकर ज्योति **को** बुझा दिया। लड़की बोली कि आप **के** सामने ही ज्योति गई है, अब आप ही बता दें कि ज्योति कहाँ गई। तभी मैं बता सकूँगी कि ज्योति कहाँ **से** आई थी?

3. **क.** जैसे ही गिलास गिरकर टूट गया वैसे ही वो आवाज सुनकर कमरे में आई।
   ख. रविवार को स्कूल बंद है क्योंकि छुट्टी है।
   ग. जैसे ही शाम हुई वैसे ही सूरज छिप गया।
   घ. भूकंप आया जिसकी वजह से दीवार में दरार पड़ गई।
   ङ. मैंने एक बच्चे को देखा और वह बहुत स्वस्थ था।

4.

ज़्यादा	×	कम	स्थायी	×	अस्थायी
ज्ञान	×	अज्ञान	सामान्य	×	विशेष
पास	×	दूर	शुद्ध	×	अशुद्ध
शांति	×	अशांति	उचित	×	अनुचित

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

निर्मम समाज

लिखित कार्य

1. **क.** मंदिर में पूजा करने से भक्तिन को मंदिर का पुजारी रोकता है।
   ख. भक्तिन समाज के झूठे विश्वास, झूठी प्रशंसा के बंधनों की बात कर रही है।
   ग. भक्तिन ईश्वर से सुनना चाहती है तुमको उनकी बातों पर विश्वास नहीं है। अर्थात तुम छूत-अछूत, धनी-निर्धन का भेद नहीं मानते।
   घ. समाज को निर्मम इसलिये कहा गया है क्योंकि समाज के लोग ही गरीबों से छूआ-छूत का भेदभाव करते हैं।
   ङ. भक्तिन के मन में विद्रोही ज्वाला इसलिए उठती है क्योंकि पुजारी उसे मंदिन में नहीं जाने देता।
2. **क.** पुजारी कहता है कि यह तेरा भगवान नहीं है।
   ख. ईश्वर को भी छूत-अछूत से टुकड़े-टुकड़े कर दिया है।
   ग. टुकड़े-टुकड़े करना।

3. **क.** गलत; **ख.** सही; **ग.** सही; **घ.** गलत; **ङ.** सही

भाषा की बात

1. छूत — अछूत नफ़रत — प्यार कोमलता — कठोरता
   प्रकाश — अंधकार दूर — पास धनी — निर्धन
2. पडित — पंडित पखा — पंखा रग — रंग
   गाव — गाँव दवाइया — दवाइयाँ मदिर — मंदिर
   वस्तुए — वस्तुएँ पछी — पंछी मुह — मुँह
   झडा — झंडा नही — नहीं जाऊ — जाऊँ

3. **क.** की ओर; **ख.** के विरुद्ध; **ग.** के पास; **घ.** के बाद; **ङ.** के सामने

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

बुद्धिमान चंद्रगुप्त

लिखित कार्य

1. **क.** चंद्रगुप्त ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि मेरी प्रजा में किसी को अभाव, दुख या कष्ट नहीं होना चाहिए। किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। राज्य का कोष गरीबों के लिए खुला रहना चाहिए। मेरी प्रजा में कोई दरिद्र नहीं रहना चाहिए। इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

   ख. चंद्रगुपत ने ब्राह्मण से आग्रह किया कि वेमहाराज से कुछ मांगे।

   ग. चंद्रगुप्त ने मुरा से कहा, कि ''चंद्रगुप्त की हस्तरेखाएँ बड़ी प्रबल हैं।''

   घ. राजा नंद ने अपने दरबारियों, सेवकों तथा देशवासियों की बुद्धि की परीक्षा के लिए एक योजना बनाई। उन्होंने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र के राजदरबार में लोहे के पिंजरे में शेर की एक मूर्ति रखवाई। और राज्य भर में ढिंढोरा पिटवा दिया कि जो भी व्यक्ति लोहे के पिंजरे को बिना तोड़े शेर को बाहर निकाल देगा, उसे राज्य की ओर से एक हज़ार सोने की मुद्राएँ दी जाएँगी और उसकी मनचाही माँग भी पूरी की जाएगी।

   ङ. राजा नंद के आदेश पर जलता हुआ एक दीपक राजदरबार में मँगवाया गया। चंद्रगुप्त ने सलाखों के बीच से दीपक को शेर के पास रखा। मोम का बना हुआ शेर पिघलने लगा।

2. **क.** (iii); **ख.** (i); **ग.** (ii); **घ.** (iii)

3. **क.** चाणक्य चंद्रगुप्त की वाक्पटुता और कुशल नेतृत्व क्षमता से बहुत प्रभावित हुए।

ख. चंद्रगुप्त जैसे एक समर्थ, बुद्धिमान, राष्ट्रप्रेमी नवयुवक की आवश्यकता थी, जिसकी मदद से वे राजा नंद से प्रतिशोध ले सकें।

ग. ब्राह्मण को उतनी ही इच्छा रखनी चाहिए, जितनी आवश्यकता हो।

भाषा की बात

1. **क.** बालक; **ख.** नंद; **ग.** बालक; **घ.** चंद्रगुप्त
2. **क.** बहुवचन; **ख.** एकवचन; **ग.** बहुवचन; **घ.** एकवचन; **ङ.** बहुवचन
3.

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
समर्थ	राजा	कुशल	नेतृत्व
बलवान	शेर	स्वर्ण	मुद्राए
दरिद्र	ब्राह्मण	निर्भीक	बालक
ऊँचा	टीला	प्रबल	हस्त रेखाएँ

4. **क.** प्रजापालक; **ख.** प्रत्यक्ष; **ग.** वक्ता; **घ.** शरणागत; **ङ.** असंभव
5. **क.** क्रोध में आना।

इस तरह जरा-जरा सी बात पर आग बबूला होने से स्वयं की हानि होती है।

ख. किसी की गलती को संकेत करना।

नमिता तुम बेवजह ही शालिनी पर उंगली उठा रही हो। सच को परखने का प्रयास करो।

ग. हार मान लेना।

ऑलराउंडर सचिन तेंदुलकर के आगे अच्छे से अच्छे बॉलर घुटने टेक देते थे।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

आवाज़ का जादू

लिखित कार्य

1. **क.** लालमोहन गोस्वामी उन्हें संगीत सिखाने हमारे घर आया करते थे। उनके भजन सुनते-सुनते ही अनिल ने संगीत सीख लिया था।

ख. क्रांतिकारियों का साथ देने के लिए छोटी उम्र में अनिल को जेल भी जाना पड़ा।

ग. मनोरंजन सरकार अनिल को अघोरनाथ के घर महफिल में गाना गाने को ले गए।

घ. अघोर बाबू ने अनिल को कहा कि– तुम्हारा काम होगा सवेरे कुछ समय के लिए उन्हें अक्षर-ज्ञान कराना।''

''और दूसरा काम?'' मैंने पूछा तो उन्होंने कहा, ''हाँ, शाम को मुझे दो-एक भक्तिगीत सुना देना।''

2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (i); **घ.** (iii)
3. **क.** संगीत; **ख.** क्रांतिकारियों; **ग.** पोखर, बरतन; **घ.** अद्‌भुत; **ङ.** जितेंद्र
4. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓; **घ.** ✓; **ङ.** ✗
5. **क.** अनिल ने; **ख.** मनोरंजन बाबू ने; **ग.** अनिल ने; **घ.** अघोरनाथ ने; **ङ.** अघोरनाथ ने

भाषा की बात

1. **ख.** मेरे पास जूते नहीं थे इसलिए मैं नंगे पाँव चल पड़ा।

   ग. हम बहुत शैतानियाँ करते थे परंतु हमने कभी किसी को नुकसान नहीं पहुँचाया।

   घ. बच्चे मास्टर जी का बहुत आदर करते थे और वे भी बच्चों से बहुत स्नेह करते थे।
2. शैतानी — श् + ऐ + त् + आ + न् + ई
   खिलौने — ख + इ + ल + औ + न + ए
   तबला — त + अ + ब + अ + ल + आ
   स्थायी — स + अ + थ् + आ + य् + ई
3. **क.** मुझे; **ख.** भागना; **ग.** उसके; **घ.** बजाता; **ङ.** धोए
4. **क.** (iii); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

9 काँटों में राह बनाते हैं

लिखित कार्य

1. **क.** बाधाएँ मेहनत करने वालों के सामने नहीं टिकतीं है।

   ख. जब मनुष्य लड़ने की ठान लेता है तब पर्वत के भी पाँव (पैर) उखड़ जाते हैं।

ग. मानव के गुण मेहंदी की लाली के समान है।

घ. हमें विपत्ति में विचलित नहीं होना चाहिए, धैर्य रखना चाहिये, समस्याओं को समझकर उनका हल निकालना चाहिए।

2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii)

3. कोई भी ऐसा संकट नहीं है जो मनुष्य के मार्ग को विचलित कर सके मनुष्य चाहे तो पर्वत के पाँव उखड़ सकते हैं पत्थर भी पानी बन सकता है मनुष्य में इतनी हिम्मत होती है वह संसार के हर संकट का सामना कर सकता है।

4. **क.** मनुष्य के अन्दर एक से बढ़कर एक गुण छिपे हैं।

ख. जैसे मेहंदी की लाली होती है और दीये की बाती की रोशनी है उसी तरह के गुण मानव में होते हैं।

भाषा की बात

1. आती — जाती होते — खोते जग — मग
   नर — वर प्रखर — बिखर लाली — काली

2. जग — विश्व जगत लोक
   पर्वत — शिखर पहाड़ अचल
   पानी — जल नीर तोय
   आदमी — नर जन अनुज
   राह — पथ रास्ता मार्ग

3. सच — झूठ गुण — अवगुण कायर — वीर
   भीतर — बाहर मानव — दानव उजाला — अंधेरा

4. **क.** दल
   - पत्ता — नीम का पत्ता बहुत उपयोगी होता है।
   - समूह — हाथी हमेशा समूह में रहते हैं।

   ख. नग
   - पर्वत — हिमालय पर्वत बहुत ऊँचा है।
   - नगीना — अंगूठी में नगीना बहुत सुन्दर है।

   ग. जग
   - संसार — जग में बहुत तरह के जीव होते हैं।
   - बरतन — जग में पानी भरो।

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

10 कबाड़ से जुगाड़

लिखित कार्य

1. **क.** 'कबाड़ से जुगाड़' का अर्थ यह है कि बचा-कुचा सामान इकट्ठा करो और कुछ नया बनाओ।
   ख. सब्ज़ी के छिलके, पेड़ की सूखी पत्तियाँ, प्रयोग की हुई चाय की धुली हुई पत्ती, फल-सब्ज़ी के बचे टुकड़े आदि। ये सारी चीज़ें खाद बनाने के काम आती हैं।
   ग. पुरानी कॉपियों, कागज़ों आदि को हम शोलापुर बॉयलर में जलाते हैं और पानी गरम करते हैं। पुरानी झाड़ू भी इसी अग्नि को समर्पित हो जाती है।
   घ. सूखी पत्तियों, फलियों, टूटे मटके के टुकड़े, पत्थर, शंख आदि को क्यारियों में डालते हैं जिससे मिट्टी में नमी बनी रहती है। पत्थर, शंख आदि के कारण मिट्टी जम नहीं पाती जिससे जड़ों को पर्याप्त मात्रा में हवा-पानी मिलता रहता है।
   ङ. स्वयं कीजिए।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (ii)
3. **क.** कचरे की कुल कितनी श्रेणियाँ होती हैं?
   ख. आपने बगीचे में कितने मटके रखे हुए हैं?
   ग. कूड़े पर पानी छिड़कने से क्या पैदा होता है?
   घ. पुरानी झाड़ू किसको समर्पित हो जाती है?
4. **क.** ✓; **ख.** ✗; **ग.** ✓; **घ.** ✓

भाषा की बात

1. आगन — आँगन　पैसिल — पैंसिल　धातुए — धातुएँ
   मा — माँ　बाटना — बाँटना　काच — काँच
   कपोस्ट — कंपोस्ट　हसकर — हँसकर　रगीन — रंगीन
2. श्रेणी — श्रेणियाँ　फली — फलियाँ　क्यारी — क्यारियाँ
   छिलका — छिलके　ठेला — ठेले　गड्ढा — गडढे

3

व्यक्तिवाचक	**जातिवाचक**	**भाववाचक**
गुम्माराजू राजराय राव	व्यक्ति	कूड़ा संग्रह
प्रश्नकर्त्ता	धातु	बागवानी
	मूर्ति	कला
	प्लास्टिक	समर्पित
	मिट्टी	शोक

4. क्यारी — स्त्रीलिंग सब्ज़ी — स्त्रीलिंग हवा — स्त्रीलिंग
पानी — पुल्लिंग महीना — पुल्लिंग मटके — पुल्लिंग
पत्थर — पुल्लिंग कागज़ — पुल्लिंग साँस — स्त्रीलिंग
वस्तु — पुल्लिंग खाद — पुल्लिंग सामान — पुल्लिंग

5. **क.** जलद; **ख.** डिब्बा; **ग.** महिला; **घ.** पौधा

6. **क.** आम के आम गुठलियों के दाम
ख. एक पंथ दो काज
ग. दिन रात एक कर दिये
घ. दाँतों तले उंगली दबा ली
ङ. कमर कस ली

7. **क.** आपको कौन-सी सब्जी पसंद है?
ख. वाह! यह तो कमाल हो गया।
ग. मेरा घर बहुत दूर है।
घ. विजय ने कहा ''मैं भी कूड़े का सही इस्तेमाल करूँगा।''
ङ. स्नेहा, मिताली, दिव्या और रविशंकर कंपोस्ट पिट बनाने लगे।

8. **क.** ने; **ख.** में; **ग.** से; **घ.** की; **ङ.** के लिए

दीक्षा की देन

लिखित कार्य

1. **क.** सरकारी स्कूल में पहुँचकर दीक्षा और वरुण हैरान हुए कि उस स्कूल में किसी भी बच्चे के पाँवों में जूते नहीं थे।
ख. क्योंकि जूते सभी बच्चों के अलग-अलग साइज़ के पाँवों के आकार के हिसाब से लाने होंगे।
ग. फ़ेसबुक पर अपने दोस्तों की मदद से वे 18,000 रुपये जुटाने में भी सफल रहे। जिन लोगों से उन्हें सहयोग मिला, उनके बारे में और लोगों को भी बताया।
घ. बच्चों ने अपनी मदद करने वालों को संदेश भेजकर आभार जताया। बच्चों ने यह भरोसा दिलाया कि वे अच्छी तरह से पढ़ाई कर उनका गौरव बढ़ाएँगे।

2. **क.** उन्होंने इंचीटेप से सभी 313 बच्चों के पैरों का नाप लेना शुरू किया।
ख. यह देखकर बेहद दुख हुआ कि अधिकतर बच्चों के पैर फटे हुए थे।
ग. बच्चों ने उन्हें बताया कि स्कूल से वापस लौटते समय दोपहर में फुटपाथ इतना तप रहा होता है कि उनके लिए चलना मुश्किल हो जाता है।

3. [5] हेडमास्टर से मिलकर बच्चों की मदद करने की इच्छा जताई।
[6] उन्होंने प्रायोजकों को तलाशना शुरू कर दिया।
[1] दीक्षा और वरुण लॉ स्कूल जा रहे थे।
[8] उन्हें 122 जोड़ी जूते और ₹18,000 मिले।
[3] वे बच्चे का पीछा करते हुए सरकारी स्कूल पहुँच गए।
[2] उन्होंने पाँच साल के एक बच्चे को फुटपॉथ पर नंगे पाँव जाते देखा।
[9] उनका तरीका कॉलेज के छात्रों के लिए प्रेरणा बन गया।
[4] उन्होंने देखा कि स्कूल के किसी भी बच्चे के पाँवों में जूते नहीं थे।
[7] फ़ेसबुक पर 'वन अपॉर्च्युनिटी' नामक पेज शुरू किया।

भाषा की बात

1. लॉ कॉलेज कॉपियाँ अपॉर्च्युनिटी ड्राइंग

2. ओ + झल → ओझल
आ + कार → आकार
प्रा + योजक → प्रायोजक
आ + भार → आभार
दो + पहर → दोपहर
बे + हद → बेहद
कर्म + फल → कर्मफल
प्र + सन्न → प्रसन्न

3. **क.** सागर बहुत ~~महस~~ होता है।
ख. बच्चे ~~नंगे~~ पाँव थे।
ग. दोनों मित्र ~~बुद्धिमान~~ थे।
घ. बच्चों के पाँव ~~फटे~~ हुए थे।
ङ. दोनों ने ~~आरामदेह~~ जूते पहने थे।
च. वे ~~सरकारी~~ स्कूल पहुँच गए।

12 नवीन भारत की शान

लिखित कार्य

1. **क.** पी० वी० सिंधु ने बैडमिंटन खेल में रजत पदक जीतकर पूरे विश्व में भारत का मान बढ़ाया।
ख. सायना वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली महिला बनीं।
ग. सायना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना 2006 से शुरू किया।

घ. अपने पिता के साथ 'फ्लाइंग क्लब' जाकर छोटे पुष्पक विमान में उड़ान भरा करती थीं।

ङ. बछेंद्रीपाल को पर्वतारोहण का पहला मौका 1982 में मिला।

2. **क.** (i); **ख.** (iii); **ग.** (ii); **घ.** (ii)

3. **क.** खेल रत्न; **ख.** कुश्ती; **ग.** परिचय; **घ.** करनाला; **ङ.** उत्तरकाशी

भाषा की बात

1. **ख.** आज साक्षी मलिक निरंतर प्रगति पथ पर बढ़ रही हैं। — अधिकरण

   ग. बछेंद्रीपाल भारत की पहली महिला पर्वतारोही बन गईं। — संबंध

   घ. पी० वी० सिंधु ने नोजोमी ओदुहारा को पराजित कर स्वर्ण पदक जीत लिया। — कर्ता, कर्म

2.

प्रसिद्ध	नाम	सरल	कार्य
कठिन	परिश्रम	भारतीय	महिला
अंतरिक्ष	यात्री	भयानक	दुर्घटना

3. **क.** (iii); **ख.** (i); **ग.** (ii)

4. प्रभाव + इत → प्रभावित व्यक्ति + इक → व्यक्तिक

   सम्मान + इत → सम्मानित दिन + इक → दैनिक

13 दोहावली

लिखित कार्य

1. **क.** मन की पीड़ा को मन में ही रखना उचित है क्योंकि अपने मन की पीड़ा किसी को बताने से लोग उसका मजाक भी उड़ा सकते हैं।

   ख. साधु लोग संयासी जीवन जीने, ईश्वर की सेवा करने के लिए शरीर धारण करते हैं।

   ग. क्योंकि सज्जन व्यक्तियों को ज्यादा देर नाराज नहीं रखना चाहिए।

   घ. हमें अपना काम समय पर करना चाहिए।

2. **क.** (iii); **ख.** (ii); **ग.** (i)

3. **क.** वृक्ष कभी भी अपनी फल स्वयं नहीं खाते और नदी भी अपना पानी स्वयं नहीं पीती। उसी प्रकार दूसरों का परोपकार करने के लिए ही साधु (सज्जन) मनुष्यों ने यह शरीर धारण किया है।

ख. रुठे हुए अपने प्रियजनों को मना लेना चाहिए, भले ही हमें उसे सौ बार ही क्यों न मनाना पड़े। रहिमन कहते हैं कि जिस प्रकार टुटी माला में बार-बार मोती पिरोये जाते है उसी प्रकार हमें अपने प्रियजनों को मना लेना चाहिए।

भाषा की बात

1.	वृक्ष	—	पुल्लिग	धागा	—	पुल्लिग	गाँठ	— स्त्रीलिंग
	नदी	—	स्त्रीलिंग	साधु	—	पुल्लिग	प्रलय	— स्त्रीलिंग
2.	बानी	—	वाणी	वृच्छ	—	वृक्ष	सीतल	— शीतल
	परलै	—	प्रलय	कोय	—	कोई	परमारथ	— परमार्थ
3.	शीतल	—	ऊष्म	आज	—	कल	प्रेम	— नफरत

विचार कौशल

स्वयं कीजिए।

14 पं० भीमसेन जोशी

लिखित कार्य

1. **क.** एक बार स्कूल जाते समय रेकॉर्डों की एक दुकान पर भीमसेन जोशी ने राग झिंझोटी में उस्ताद अब्दुल करीम खाँ की सुमधुर गायकी सुनी। उन्हें तभी लग गया कि अब और कुछ नहीं बनना, बस गाना ही सीखना है।
   ख. राजा भैया पुंछवाले, हाफ़िज अली खाँ।
   ग. पंडित जी ने सवाई गंधर्व से तोड़ी, मुल्तानी और पूरिया राग सीखे।
   घ. उम्दा कद-काठी के और सुंदर तो वे थे ही। कार चलाने का भी उन्हें शौक था।
   ङ. आज भी पंडित जी टी०वी० पर 'मिले सुर मेरा-तुम्हारा, तो सुर बने हमारा' गीत की शुरुआत करते नजर आए।
2. **क.** (i); **ख.** (ii); **ग.** (iii); **घ.** (ii)
3. **क.** संगीत की शिक्षा हासिल करने हेतु गुरु की तलाश में पं० भीमसेन घर से निकल पड़े।
   ख. किराए आदि के लिए पंडित जी की जेब में पैसे तक नहीं थे।
   ग. पंडित जी को अपनी गायकी पर पूरा भरोसा था।
   घ. संगीत सीखने के लिए यह युवा गायक खूब इधर-उधर घूमा-भटका।

4. [2] वर्ष 1940 तक उन्होंने कई संगीतकारों से संगीत सीखा।
   [1] स्कूल जाते समय उन्होंने सुमधुर गायकी सुनी।
   [5] वर्ष 2011 में पंडित जी का देहांत हो गया।
   [3] अपनी आवाज़ से उन्होंने कई रागों को नई ऊँचाई दी।
   [4] वर्ष 2008 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

भाषा की बात

1. **क.** उच्चतम; **ख.** न्यूनतम; **ग.** कोमल; **घ.** अधिकतर; **ङ.** अधिकतम
2. **क.** फ़न → साँप का सिर — साँप फन फैलाकर ढंक मारता है।
   फन → हुनर — भीमसेन में संगीत का हुनर था।
   ख. राज़ → गुप्त बात — हमें अपने राज किसी को भी नहीं बताने चाहिए।
   राज → शासन करना — राम ने कई वर्षों तक अयोध्या में राज किया।
   ग. ज़रा → नाम — ज़रा एक मुस्लिम नाम है।
   जरा → थोड़ा — मनुष्य को जरा सी बात पर क्रोध नहीं करना चाहिए।
3. **क.** संगीतज्ञ; **ख.** नर्तक; **ग.** गायक; **घ.** शास्त्रीय; **ङ.** गीतकार

15 दयालु बूढ़ा

लिखित कार्य

1. **क.** अंकिबा गरीबी से परेशान होकर घने जंगल में गया।
   ख. अंकिबा को बूढ़े आदमी ने गाय, भेड़ दी।
   ग. गाय और भेड़ ने अंकिबा को सोने चाँदी के सिक्के नहीं दिए क्योंकि वह गाय और भेड़ नकली थी।
   घ. अंकिबा ने छड़ी की मदद से अपनी सारी चीज़ें वापस लीं।
2. **क.** (iii); **ख.** (i); **ग.** (ii)
3. **क.** निर्धनता; **ख.** कौतूहल; **ग.** सोने; **घ.** जंगल
4.

	किसने कहा?	**किससे कहा?**
क.	अंकिबा ने	बूढ़े से
ख.	बुंबा ने	अंकिबा से
ग.	अंकिबा ने	बुंबा से

भाषा की बात

1. **क.** शाम; **ख.** जल्दी-जल्दी; **ग.** बहुत; **घ.** नीचे
2. समझदार, भोला, गरीब
3. **क.** वह थक गया था इसलिए वह सो गया।

   ख. अंकिबा पेड़ के नीचे विश्राम करने लगा क्योंकि वह चलते-चलते थक गया था।

   ग. बुंबा गाय के पास गया और उसने कहाँ—नूँ.... नूँ.... नूँ।

   घ. महात्मा गांधी ने कहा था कि हमें अहिंसा को अपनाना चाहिए।
4. **क.** अत्यधिक प्रसन्न होना।

   मीरा जब से सरकारी नौकरी में आई है, तब से उसके पैर जमीन पर ही नहीं पड़ रहे हैं।

   ख. बहुत प्रसन्न होना।

   जब हितेश के पिता ने उसको तोहफे में मोटरसाइकिल दी तो वह फूला नहीं समाया।

   ग. बहुत अधिक खुशी मनाना।

   प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर की नींव रखने पर सारे भारत ने घी के दिए जलाये।